RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्ष: 7 , अंक:09 , गुरुवार, 19 फरवरी 2026 मूल्य: 5:00, पृष्ठ:8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

सूखा नशा के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई, तस्कर गिरफ्तार; गांजा, शराब व 7.27 लाख नगद ... 03

विकसित पैक्स में चल रहे योजनाओं के बारे में ली विस्तृत जानकारी 04

मास महाराजा रवि तेजा इरुमुदी से कावेरी के रूप में प्रिया भवानी... 07

महाराष्ट्र में मुस्लिमों के 5 प्रतिशत आरक्षण का आदेश रद्द

- 2014 में कांग्रेस अध्यादेश लाई थी, पास न होने से 10 सालों से इनवैलिड

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार के सोशल जस्टिस डिपार्टमेंट ने मंगलवार को एक सरकारी रेजोल्यूशन जारी किया। इसके जरिए सरकार ने अपने 10 साल पुराने उस सरकारी आदेश को कैंसिल कर दिया। जिसमें मुस्लिम कम्युनिटी को एजुकेशनल

इंस्टीट्यूशन और सरकारी और सेमी-गवर्नमेंट नौकरियों में 5 फीसदी रिजर्वेशन देने की बात कही गई थी। हालांकि पिछले 10 सालों से यह आदेश इनवैलिड रहा है क्योंकि 2014 में कांग्रेस सरकार की तरफ से लाया गया अध्यादेश तय समय (6 हफ्ते) में विधानसभा से पास नहीं कराया जा सका, जिससे यह खुद ही इनवैलिड हो गया था। जुलाई 2014 में कांग्रेस-एनसीपी की गठबंधन की सरकार थी। अक्टूबर 2014 में सरकार बदल गई। विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा-शिवसेना सरकार बनी। नई सरकार ने मुस्लिम आरक्षण को आगे नहीं बढ़ाया।

पटाखा फैक्ट्री में 7 लोग जिंदा जले थे, मालिक-मैनेजर गिरफ्तार

प्लॉट मालिक के घर पहुंची पुलिस, एक आरोपी हेड कॉन्स्टेबल का भाई

भिवाड़ी (एजेंसी)। राजस्थान के भिवाड़ी के अवैध पटाखा फैक्ट्री के मालिक हेमंत कुमार शर्मा और मैनेजर अभिनंदन को गिरफ्तार कर लिया गया है। हेमंत भिवाड़ी पुलिस की एसआईटी टीम में तैनात हेड कॉन्स्टेबल योगेश कुमार शर्मा का भाई है। 16 फरवरी को भिवाड़ी के खुशखेड़ा इंडस्ट्रियल एरिया में अवैध रूप से पटाखा बनाते समय धमाका हुआ था। इसमें ठेकेदार सहित 7 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 4 लोग गंभीर रूप से झुलस गए थे। भिवाड़ी एएसपी अतुल साहू ने बताया- विस्फोट मामले में तीसरे नामजद आरोपी प्लॉट मालिक राजेंद्र कुमार के

गाजियाबाद स्थित घर पर 16 फरवरी की रात पुलिस की टीम पहुंची थी। वहां परिवार वालों ने बताया था कि राजेंद्र को ब्रेन ट्यूमर है। उसका इलाज चल रहा है। 17 फरवरी को राजेंद्र के परिजन खुशखेड़ा थाने पहुंचे थे। उन्होंने लिखित में दिया कि वे राजेंद्र कुमार को लेकर थाने में उपस्थित हो जाएंगे। गुरुवार को राजेंद्र कुमार नहीं आता है तो दोबारा से उसके घर और अन्य संबंधित जगहों पर दबिश देकर गिरफ्तार करने का प्रयास किया जाएगा। 16 जनवरी के हादसे को लेकर 4 लोगों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया है।

राहुल गांधी देश की सुरक्षा के लिए बन गए हैं खतरा

- रिजिजू बोले-ऐसा अपोजिशन लीडर इतिहास में नहीं देखा
- उनके नक्सलियों से रिश्ते, संसद में उनका बर्ताव बचकाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को कहा कि राहुल गांधी भारत की सुरक्षा के लिए सबसे खतरनाक इंसान बन गए हैं। वे भारत विरोधी ताकतों से जुड़े हैं। वे नक्सलियों, उग्रवादियों और जॉर्ज सोरोस जैसे लोगों से मिलते हैं। रिजिजू ने ये बातें न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कहीं। रिजिजू ने आगे कहा कि संसद में राहुल का बर्ताव बचकाना और गैर-जिम्मेदाराना है। एक लीडर ऑफ अपोजिशन पूरे विपक्ष को रिप्रेजेंट करता है। संसद के बाहर जाकर लोगों को देशद्रोही कहना, ड्रामा वाले सिट-इन करना और एक अनपब्लिश्ड किताब लहराना। यह सब बच्चों जैसा बर्ताव है। हमने भारत के इतिहास में ऐसा लीडर ऑफ अपोजीशन कभी नहीं देखा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का काम सिर्फ संसद में हंगामा करना है। कांग्रेस कहती है कि हम उन्हें बोलने नहीं देते। लेकिन जैसे ही वे (राहुल) अंदर आते हैं। हंगामा, बैनर और नारेबाजी शुरू हो जाती है। कांग्रेस के सीनियर लीडर मणिशंकर अय्यर के इस बयान पर कि 'मैं गांधीवादी, नेहरूवादी, राजीववादी हूं, लेकिन राहुलवादी नहीं हूं।' इस पर रिजिजू ने कहा कांग्रेस के पास कभी मजबूत लीडर हुआ करते

थे, जिनकी बातों और काम में मैच्योरिटी थी। धीरे-धीरे कांग्रेस राहुल गांधी जैसी हो गई है और उनके आस-पास रहने वाले लोग भी उनके जैसे हो गए हैं। हम सोच भी नहीं सकते थे कि कांग्रेस ऐसी हो जाएगी।

राहुल बिना सबूत के पीएम का नाम लेते हैं

राहुल गांधी के समर्थक भी अब उन्हें गंभीरता से क्यों नहीं लेते, क्योंकि राहुल बिना सच के बोलते हैं। अगर प्रधानमंत्री किसी से मिले हैं या अगर कोई डॉक्यूमेंट मौजूद हैं तो उन्हें पेश करें। वे बिना किसी आधार के प्रधानमंत्री का नाम जबर्दस्ती ले रहे हैं। रिजिजू ने पार्लियामेंट में गांधी के बर्ताव पर भी सवाल उठाया और कहा, राहुल गांधी लोकसभा में बिना मतलब के बोल रहे हैं। अगर आप अपोजीशन लीडर हैं तो क्या आप नियमों से ऊपर हैं। रिजिजू ने आगे दावा किया कि भारत में '15-20 फीसदी लेफ्ट इकोसिस्टम' राष्ट्रवाद का विरोध करता है और भारत के डिफेंस, सिक्योरिटी और धार्मिक पहचान को समस्या मानता है।

2030 तक 400 बिलियन का होगा आईटी सेक्टर: पीएम

मोदी बोले-आउटसोर्सिंग और ऑटोमेशन की होगी बड़ी भूमिका

सुंदर पिचाई ने पीएम से की मुलाकात, एआई समिट में होंगे शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूज एजेंसी को दिए एक विशेष इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने आईटी उद्योग पर एआई के बढ़ते प्रभाव और सरकार की रणनीति पर बात की। पीएम मोदी बोले-एआई से आईटी सेक्टर को नई ताकत मिलेगी। पीएम ने कहा कि भारत का आईटी सेक्टर हमारी इकोनॉमी का मुख्य आधार रहा है। एआई इस क्षेत्र के लिए एक बड़ा अवसर और चुनौती दोनों है। अनुमान है कि 2030 तक भारत का आईटी सेक्टर 400 बिलियन डॉलर (करीब 36 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंच सकता है। इसमें एआई आधारित आउटसोर्सिंग और ऑटोमेशन की बड़ी भूमिका होगी। इस समिट की थीम राष्ट्रीय विजन सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय (सभी का कल्याण, सभी का सुख) पर आधारित है। इसका उद्देश्य मानवता के लिए एआई के वैश्विक सिद्धांत को बढ़ावा देना है।

- **पीएम मोदी से मिले गूगल सीईओ सुंदर पिचाई-** गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पिचाई ग्लोबल एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में हिस्सा लेने के लिए भारत आए हैं। 20 फरवरी को वे इस समिट में की-नोट एड्रेस (मुख्य भाषण) देंगे। भारत पहुंचने के बाद पिचाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए लिखा, एआई इम्पैक्ट समिट के लिए भारत वापस आकर अच्छा लग रहा है। हमेशा की तरह यहां गर्मजोशी से स्वागत हुआ। भारत मंडपम में जुटेंगे 110 देशों के प्रतिनिधि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का आयोजन दिल्ली के भारत मंडपम में किया जा रहा है। यह समिट 16 फरवरी को शुरू हुई थी और 20 फरवरी तक चलेगी। इसमें दुनिया भर के सरकारी नीति निर्माता, एआई एक्सपर्ट्स, शिक्षाविद और टेक्नोलॉजी इनोवेटर्स शामिल हो रहे हैं। इस समिट का मकसद आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर वैश्विक चर्चा को आगे बढ़ाना है। यह ग्लोबल साउथ में आयोजित होने वाला अपनी तरह का पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन है।

सीएम हिमंता असम के जिन्ना 'हिंदू सर्टिफिकेट' देना बंद करें

- कांग्रेस सांसद गोगोई बोले-जो भी भाजपा में गया, वह गैरजरूरी हुआ

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई ने असम सीएम हिमंता बिस्व सरमा और कांग्रेस छोड़कर भाजपा जॉइन करने जा रहे भूपेन कुमार बोरा पर कमेंट किया है। उन्होंने बुधवार को गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- हिमंता ने बोरा को कांग्रेस का आखिरी हिंदू नेता बताया है। हिमंता 'असम के जिन्ना' हैं, उन्हें नेताओं को 'हिंदू सर्टिफिकेट' देना बंद करना चाहिए। गोगोई ने ये भी कहा- भाजपा में शामिल होने वाले नेता अपनी पार्टी के लिए गैरजरूरी हो जाते हैं। ऐसा ही हाल असम कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा का होगा, जो 22 फरवरी को भाजपा में शामिल होंगे। कांग्रेस सांसद ने कहा- जो नेता भाजपा में गए हैं, वे अप्रासंगिक हो गए हैं। सर्बानंद सोनोवाल इसका उदाहरण हैं। असम गण परिषद (एजीपी) भी लगभग खत्म होने की कगार पर है। भूपेन बोरा के भाजपा में जाने से कांग्रेस पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

- **यह लड़ाई असली कांग्रेस-पुरानी कांग्रेस के बीच-** गोगोई ने कहा है कि कांग्रेस एक मजबूत संगठन है और किसी एक नेता के जाने से पार्टी की चुनावी संभावनाएं प्रभावित नहीं होंगी। आगामी विधानसभा चुनाव में मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच नहीं, बल्कि असली कांग्रेस और पुरानी कांग्रेस के बीच होगा। भाजपा में कई ऐसे नेता हैं, जो पहले कांग्रेस में थे और राज्य में 15 साल के शासन के दौरान भ्रष्टाचार से जुड़े रहे। इधर, कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने पार्टी नेतृत्व, खासकर गौरव गोगोई पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बोरा ने कहा कि उन्होंने विभिन्न दलों के साथ गठबंधन वार्ता शुरू की थी, लेकिन 11 फरवरी को गौरव गोगोई ने उन्हें बातचीत में शामिल करने को कहा।

राज्यसभा की 37 सीटों पर 16 मार्च को चुनाव

इनमें 25 सीटें विपक्ष और एनडीए की 12 सीट शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने बुधवार को 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया। 37 सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव कराया जाएगा। जो सीटें खाली हो रही हैं उनमें 12 एनडीए के पास हैं, 25 पर विपक्ष का कब्जा है। सबसे ज्यादा महाराष्ट्र की 7, तमिलनाडु की 6 और पश्चिम बंगाल-बिहार की 5-5 सीटों पर चुनाव कराया जाएगा। शरद पवार, रामदास अठावले, कणिमोझी, तिरुचि शिवा, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश का कार्यकाल 2 अप्रैल को समाप्त हो रहा है। 16 मार्च को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच वोटिंग होगी और उसी दिन शाम 5 बजे वोटों की गिनती की जाएगी।

ईरान के खिलाफ पहली बार साथ आए भारत-अमेरिका!

1300 जहाजों का डार्क फ्लीट? ट्रंप चला रहे हैं हथौड़ा

वॉशिंगटन/नई दिल्ली/तेहरान (एजेंसी)। अरब सागर में चीन के साथ मिलकर तेल का खेल कर रहे ईरान के खिलाफ भारत और अमेरिका साथ आ गए हैं। भारत ने अमेरिका के प्रतिबंधित 3 तेल टैंकरों को पकड़ा है। ये तीनों ही जहाज अरब सागर में अवैध तरीके से एक जहाज से दूसरे जहाज में तेल ट्रांसफर करने का खेल कर रहे थे। पश्चिमी विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील और टैरिफ को लेकर तनावपूर्ण संबंधों के बाद पहली बार हुआ है कि नई दिल्ली ने वॉशिंगटन के डॉर्क फ्लीट के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में खुलकर मदद की है। ईरान के इस डार्क फ्लीट में 1300 तेल ढोने वाले जहाज शामिल हैं। इनकी मदद से ईरान अमेरिकी प्रतिबंधों को धता बताते हुए खुलकर चीन और अन्य देशों को तेल की सप्लाई कर रहा है। भारतीय तटरक्षक बल ने 6 फरवरी को इन तीनों हीईरानी जहाजों को मुंबई के 100

मील उत्तर पश्चिम में समुद्र में पकड़ा था। कोस्ट गार्ड ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा कि ये जहाज अंतरराष्ट्रीय तेल तस्करी रैकेट का हिस्सा थे। इन जहाजों को अब मुंबई लाया गया है और उनके चालक दल के सदस्यों के साथ पूछताछ जारी है। अमेरिकी वॉल स्ट्रीट जनरल अखबार ने पश्चिमी विश्लेषकों के हवाले से कहा कि भारत का यह ऐक्शन काफी खतरनाक है।

- **अमेरिका-भारत ट्रेड डील के बाद ऐक्शन-** इससे पहले रूस से तेल खरीदने को लेकर भारतऔर अमेरिका के बीच तनाव काफी बढ़ गया था और ट्रंप ने 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया था। हालांकि ट्रेड डील होने के बाद अब अमेरिका ने रूसी तेल को लेकर लगे टैरिफ को हटा दिया था। अमेरिकी थिंक टैंक कार्नेगी इंडिया के फेलो दिनाकर पेरी का कहना है कि भारत के ईरानी तेल टैंकरों के खिलाफ ऐक्शन लेने का समय काफी महत्वपूर्ण है जो भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बाद हुआ है। भारत ने इन 3 तेल टैंकरों को पकड़ने का ऐलान ठीक उसी दिन किया जब अमेरिका ने भारत के साथ डील को लेकर आधिकारिक ऐलान किया था।

ओडिशा के कोणार्क मंदिर के गर्भगृह में जा सकेंगे श्रद्धालु

122 साल से भरी रेत हटाई जा रही; इसमें 3 महीने लगेंगे

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में स्थित 13वीं शताब्दी के कोणार्क मंदिर के गर्भगृह में अब श्रद्धालु जा सकेंगे। अभी इसमें रेत भरी हुई है जिसे हटाने का काम जारी है। मंदिर के पीछे 15 फीट ऊंची दीवार है। इसे गिरने से बचाने के लिए अंग्रेजों ने 1903-04 में मंदिर के गर्भगृह में हजारों टन रेत भरवा दी थी। एक सदी से ज्यादा वक्त बीत चुका है, लेकिन आज तक मंदिर के गर्भगृह (जगमोहन हॉल) में कोई नहीं जा सका। भारतीय पुरातत्व विभाग और आईआईटी मद्रास के एक्सपर्ट्स की 30 लोगों की टीम को इसे हटाने का टास्क दिया गया है। एएसआई पुरी सर्किल के सुपरीटेंडेंट डीबी गढ़नायक ने बताया कि पूरी तरह रेत निकालने में 3 महीने लगेंगे। सब कुछ ठीक रहा तो एक साल बाद श्रद्धालु पहली बार इस ऐतिहासिक मंदिर के गर्भगृह में जा सकेंगे।

रिपोर्ट आने के बाद मंदिर रीस्ट्रक्चर किया जाएगा- अंदर दीवारों का क्या हाल है। गर्भगृह का ढांचा कैसा है। यही जानने के लिए 127 फीट ऊंचे इस मंदिर में 80 फीट ऊंचाई पर इन दिनों जीरो वाइब्रेशन के साथ ड्रिल (डायमंड ड्रिल) की जा रही है। ड्रिल करके 8.5 मी. लंबा और 160 एमएम चौड़ा पत्थर और अंदर भरी रेत का सैंपल निकालकर सैंपल आईआईटी मद्रास भेज दिया गया है। भेजे गए सैंपल की रिपोर्ट आने के बाद गर्भगृह से वैज्ञानिक तरीके से रेत निकाली जाएगी और फिर मंदिर को रीस्ट्रक्चर किया जाएगा। रेत निकालने के बाद जब गर्भगृह खाली हो जाएगा, तो दोबारा से ढांचे को पहले जैसा बनाया जाएगा, जैसा निर्माण के समय था। इस मंदिर में हर साल 35 लाख से ज्यादा पर्यटक आते है। देश के एएसआई स्मारकों में ताजमहल के बाद यह मंदिर दूसरे स्थान पर है। संरक्षण सहायक त्रैलोक्यनाथ बेहरे ने बताया कि मंदिर को अगले हजार साल तक सुरक्षित रखने के लिए ही काम हो रहा है।

गर्भगृह में दरारें, ढलान और असंतुलन मिला

यह मंदिर के खतरे में होने के स्पष्ट संकेत हैं। आईआईटी मद्रास की रिपोर्ट बताती है कि गर्भगृह से यदि एकसाथ रेत निकालते तो मंदिर के पत्थर खिसकने, दरारें बढ़ने का जोखिम रहता। इसलिए आईआईटी के एक्सपर्ट अरुण मेनन ने काम को कई चरणों में बांटा है। हर बार रेत हटाने के साथ पत्थरों को सपोर्ट दिया जाएगा। जिस हिस्से से रेत हटाई जाएगी, वहां स्ट्रक्चर में होने वाले हरेक बदलाव पर 40 हाई प्रिसिजन सेंसर नजर रख रहे हैं। हर सेंसर के डेटा का गहन विश्लेषण आईआईटी की टीम कर रही है। छोटी सी गलती मंदिर को बड़ा नुकसान दे सकती है, इसलिए बहुत सावधानी बरतनी पड़ रही हैं। कुछ पत्थरों में माइक्रो क्रैक्स भी मिले। इसलिए हमने रेत हटाने से पहले मंदिर के स्ट्रक्चर को मजबूती देना तय किया।

अब कांग्रेस आलाकमान से ही भिड़ गए मणिशंकर अय्यर

पार्टी को दे डाली राजीव वाली चुनौती, राहुल को भी लपेटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने मंगलवार को पार्टी नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अगर इस पार्टी के कर्ताधर्ता असहमति के स्वर का सामना नहीं कर सकते तो यह मुख्य विपक्षी दल के लिए विनाशकारी है और पार्टी को शासन करने का कोई अधिकार नहीं है। अय्यर ने कांग्रेस आलाकमान को यह चुनौती भी दी कि वह राहुल गांधी के मुंह से राजीव गांधी का 1989 में दिया वह बयान फिर से दिलवाएं कि सिर्फ धर्मनिरपेक्ष भारत ही कायम रह सकता है। अय्यर ने पार्टी के खिलाफ मोर्चा उस वक्त खोला है जब उन्होंने बीते रविवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की तारीफ की थी और उनके फिर से मुख्यमंत्री बनने की संभावना जताई थी, जिसके बाद कांग्रेस ने टिप्पणी को खारिज करते हुए कहा कि पार्टी से उनका संबंध नहीं है।

- **राजीव गांधी असहमति जताने वालों को भी रखते थे साथ-** पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, जैसे कहा जाता है कि ईश्वर एक है और उस तक पहुंचने के रास्ते अलग अलग हैं, उसी तरह कांग्रेस एक है लेकिन कई रास्ते हैं जो कांग्रेस तक जाते हैं। उनका कहना है कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के मौजूदा कर्ताधर्ताओं द्वारा यह सबक भुला दिया गया है। उन्होंने राजीव गांधी के समय असहमति जताने वाले आरिफ मोहम्मद खान और अरुण नेहरू का उल्लेख किया और कहा, जो ईमानदारी से असहमति रखते थे वो कांग्रेस के राजनीतिक दायरे में रहे।

संक्षिप्त समाचार

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा का दूसरा दिन, मैट्रिक की होम साइंस, 12वीं में फिजिकल एजुकेशन की परीक्षा

पटना। सीबीएसई की 10वीं-12वीं की परीक्षा का आज दूसरा दिन है। सीबीएसई की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, सभी विषयों की परीक्षा एक ही शिफ्ट में होगी। परीक्षा का समय सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक है। CBSE के निर्देशानुसार, छात्रों को कम से कम 30 मिनट पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचना है। ट्रैफिक जाम, रूट डायवर्जन या अन्य कारणों से देरी की संभावना को देखते हुए छात्रों को घर से कम से कम एक घंटा पहले निकलने की सलाह दी गई है। इस साल भारत के साथ-साथ 26 विदेशी देशों में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। कुल 8000 सेंटर हैं। जहां 46 लाख से अधिक छात्र 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। पहले दिन 10वीं के विद्यार्थियों के लिए होम साइंस की परीक्षा होगी, जबकि 12वीं के छात्रों के लिए फिजिकल एजुकेशन का पेपर आयोजित किए जाएंगे। बोर्ड ने निर्देश दिया है कि छात्रों को सुबह 10:00 बजे तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश कर लेना अनिवार्य होगा। 10:00 बजे के बाद किसी भी छात्र को परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रश्नपत्र सुबह 10:15 बजे बांटे जाएंगे, जबकि 10:30 बजे से छात्र उत्तर लिख सकते है। परीक्षा शुरू होने से पहले छात्रों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया जाएगा।

'ईशान किशन की हाइट क्या है, गर्लफ्रेंड कौन', गूगल पर पाकिस्तान में 3 दिन से यही सर्चिंग

पटना। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने पाकिस्तान को 61 रनों से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले में ईशान किशन ने 40 गेंदों में 77 रनों की पारी खेली। उनकी पारी में 10 चौके और 3 छक्के शामिल रहे, जिसने मैच का रुख पूरी तरह भारत की ओर मोड़ दिया। इस मुकाबले की चर्चा सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान में भी खूब हुई। खासकर ईशान किशन की बल्लेबाजी की जमकर तारीफ की गई। इतना ही नहीं जब ईशान बैटिंग कर रहे थे, उस दौरान से लेकर अब तक पाकिस्तान में गूगल पर सबसे ज्यादा उन्हें सर्च किया जा रहा है। गूगल ट्रेंड्स के मुताबिक, मैच के दौरान और उसके बाद 'ईशान किशन की उम्र', 'बैकग्राउंड', 'हाइट', 'गर्लफ्रेंड/वाइफ, 'फैमिली' और 'रिलीजन' जैसे कीवर्ड्स तेजी से ट्रेंड कर रहे हैं। यहां तक ईशान किशन की संपत्ति कितनी है और 'उनकी नेटवर्थ क्या है' जैसे सवालों के जवाब भी जमकर खोजे गए। सोशल मीडिया पर उनकी बल्लेबाजी को लेकर कई सकारात्मक प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। पाकिस्तान के यूजर्स ने ईशान किशन की बल्लेबाजी की जमकर तारीफ की। एक यूजर ने लिखा, "सवा 5 फीट का लड़का पूरी टीम पर भारी पड़ गया।"

पटना वीमेंस कॉलेज में 16 मार्च को स्टूडेंट काउंसिल इलेक्शन, 14 मार्च को चुनाव प्रचार

पटना। पटना वीमेंस कॉलेज में 16 मार्च को स्टूडेंट काउंसिल इलेक्शन होगा। पांच पदों के लिए चुनाव का आयोजन होगा। इस इलेक्शन की जिम्मेदारी कॉलेज के पॉलिटिकल साइंस विभाग को दी गयी है जिसकी नोडल ऑफिसर डॉ विनिता प्रियदर्शी हैं। चुनाव के कैंपेनिंग को लेकर होली के बाद टीचर्स की प्राचार्या के साथ बैठक होगी, जिसमें प्रसार-प्रचार के साथ इलेक्शन के दिन की रूपरेखा तय की जाएगी। 12 मार्च को छात्राओं को इलेक्शन को लेकर ओरिएंटेशन दिया जाएगा। इसमें बीए, बीएससी और वोकेशनल कोर्स की छात्राएं मौजूद रहेंगी। इसके बाद 13 मार्च को छात्राओं का काउंसलिंग, नॉमिनेशन, विड्रॉल होगा। इसी दिन इलेक्शन के लिए विभिन्न पदों के लिए चयनित छात्राओं की फाइनल लिस्ट जारी कर दी जाएगी। 14 मार्च को चुनाव प्रचार होगा। 15 मार्च को ब्रेक रहेगा। वहीं 16 मार्च को इलेक्शन होगा। इसी दिन परिणाम की घोषणा की जाएगी। पटना वीमेंस कॉलेज में पांच पदों के लिए चुनाव होगा। इसमें प्रीमियर, जनरल सेक्रेटरी, कल्चरल सेक्रेटरी, स्पोर्ट्स सेक्रेटरी और एनवायरमेंट एंड डिसिप्लिन सेक्रेटरी शामिल है। इसके अलावा छात्राएं वाइस प्रीमियर, जॉइंट जनरल सेक्रेटरी, ज्वाइंट कल्चरल सेक्रेटरी, ज्वाइंट स्पोर्ट्स सेक्रेटरी और ज्वाइंट एनवायरमेंट एंड डिसिप्लिन सेक्रेटरी के लिए खड़ी होती हैं। वहीं, इसमें प्रिंसिपल नॉमिनी के तौर पर दो छात्राओं का चयन होता है।

वैशाली में दो रोड एक्सीडेंट, 6 लोग घायल, पीएचसी में डॉक्टर नहीं मिलने पर परिजनों ने हंगामा किया

हाजीपुर। बुधवार सुबह वैशाली के राघोपुर फतेहपुर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) में दो अलग-अलग सड़क हादसों में घायल करीब आधा दर्जन लोगों को इलाज के लिए लाया गया। अस्पताल में डॉक्टर उपलब्ध न होने के कारण मरीजों का उपचार नहीं हो सका, जिससे आक्रोशित परिजनों ने हंगामा किया। परिजनों और स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अक्सर आपातकालीन स्थिति में डॉक्टर अनुपस्थित रहते हैं, जिससे मरीजों को इलाज नहीं मिल पाता। उन्होंने मांग की कि अनुपस्थित डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। घायलों के परिजनों ने बताया कि डॉक्टर न होने के कारण मरीजों का घंटों तक इलाज नहीं हो सका। पहली घटना राघोपुर थाना क्षेत्र के खुदगाश गांव में बुधवार सुबह हुई। यहां एक बाइक और साइकिल की टक्कर में बाइक सवार और साइकिल सवार दोनों घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत पीएचसी पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों की अनुपस्थिति के कारण उनका इलाज घंटों तक नहीं हो पाया। घायलों में पहाड़पुर पूर्वी निवासी रुदल चौधरी के पुत्र कुंदन कुमार और फतेहपुर निवासी एक साइकिल सवार शामिल हैं। कुंदन कुमार जिम से लौटते समय दुर्घटना का शिकार हुए। दूसरी घटना राघोपुर थाना क्षेत्र के रामपुर श्यामचंद पंचायत के कन्हैया चौक के पास हुई। यहां एक बाइक और सीएनजी टेंपो की टक्कर में चार लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना पर राहगीर एवं आसपास के लोग जुट गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को आनन-फानन में इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र राघोपुर फतेहपुर लाया गया। हालांकि डॉक्टर नहीं रहने के कारण घंटों तक घायलों का इलाज नहीं हो सका। घायल बाइक सवार फतेहपुर निवासी सोनू कुमार शर्मा और विक्रम कुमार शर्मा जबकि CNG टेंपो सवार मनीष कुमार एवं मेघन कुमार बताया गया है। घायल सोनू कुमार शर्मा ने बताया कि बाइक से कन्हैया चौक स्थित अपने दुकान जा रहे थे इसी दौरान बाइक और टेंपो की टक्कर हो गई। वहीं घायल मनीष कुमार और मेघन कुमार सीएनजी टेंपो से कच्ची दरगाह रुस्तमपुर जा रहा था। मिली जानकारी के अनुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में बीते मंगलवार की रात्रि डॉक्टर मनीष कुमार झा की ड्यूटी थी, बुधवार की सुबह करीब 6:00 बिना किसी डॉक्टर के आए मनीष कुमार अस्पताल से निकल गए। बुधवार की सुबह से अस्पताल में डॉक्टर निभा कुमारी की ड्यूटी थी। निभा कुमारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नहीं पहुंची थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां डॉक्टर के आने और जाने का कोई समय सीमा निर्धारित नहीं है। हमेशा यहां डॉक्टर गायब रहते हैं। वहीं चिकित्सा पदाधिकारी एवं हेल्थ मैनेजर भी नहीं आते हैं। भगवान भरोसे यह अस्पताल चल रहा है।

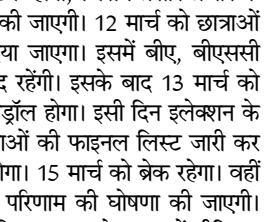

बम से उड़ाने की धमकी मामले में टीम गठित हुई

रोज सुबह के वक्त कोर्ट में सर्च ऑपरेशन, अब धमकी का भी असर नहीं

एजेंसी, पटना

पटना सिविल कोर्ट को लगातार बम से उड़ने की धमकी मिलने के बाद अब पुलिस रोज सुबह के वक्त कोर्ट में सर्च ऑपरेशन चला रही है। सुबह 7:00 से लेकर कोर्ट खुलने से पहले तक पूरे परिसर को सेनीटाइज कर दिया जा रहा है। यह कदम एहतियातन बराबर मिल रही धमकी के बाद उठाया गया है। धमकी भरे मेल को लेकर ATS ने अपने बयान पर केस रजिस्टर्ड किया था। इसकी भी जांच अब शुरू हो गई है। डीएसपी रैंक के पदाधिकारी इसकी मॉनीटरिंग कर रहे हैं।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठितः टाउन डीएसपी राजेश रंजन ने बताया कि, आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई है। इसमें थाने से भी तकनीकी सहायता ली जा रही है। दो तीन बार फिर से धमकी आई है, लेकिन पुलिस अलर्ट है। इस तरह की धमकी से कोर्ट का काम जो प्रभावित हो रहा था, वो अब नहीं होने वाला है।

कोर्ट परिसर की सुरक्षा हर तरह से चाक चौबंधः टाउन डीएसपी के मुताबिक, पटना सिविल कोर्ट परिसर की सुरक्षा हर तरह से चाक चौबंध कर दी गई है। सुबह के वक्त पिरबहोर थाने की पुलिस की मौजूदगी में पूरे परिसर की तलाशी लेने के बाद कोर्ट परिसर की सुरक्षा में तैनात कर्मियों को हैंड ओवर किया जा रहा है। उन्हें प्रॉपर जांच के लिए सख्त हिदायत दी गई है। पटना कोर्ट में अब तक 7 बार काम प्रभावित अब तक सात बार से अधिक इस तरीके के धमकी वाले मेल आ चुके हैं। इससे पहले जब भी मेल आता था, कोर्ट को बंद कर दिया जाता था और फिर तलाशी ली जाती थी। वकील भी इस बात को लेकर काफी नाराज चल रहे थे। सातवीं बार जब धमकी मिली थी तो वकीलों ने मुख्य गेट पर बैठकर प्रदर्शन भी किया था। हालांकि, SSP के आश्वासन के बाद मान गए थे।

फायरिंग में घायल होटल करोबारी की स्थिति नाजुक

एजेंसी, पटना

- स्टेटमेंट पर दूसरी केस दर्ज, 15 में से एक आरोपी पिस्टल के साथ धराया

पटना के बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के मोहिनी मोड़ के पास मंगलवार रात गोलीबारी की घटना हुई थी। इसमें भूतनाथ इलाके का रहने वाला होटल कारोबारी विकास घायल हो गया था। विकास की बयान पर बुद्धा कॉलोनी थाने में दूसरी फिर रजिस्टर्ड हुई है। 7 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है। वहीं, पुलिस की ओर से जो फिर हुई है, उसमें 15 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। गोलीबारी की इस घटना से वरीय अधिकारी सकते में हैं। सूत्रों की माने तो DIU की टीम ने ASP कृष्ण मुरारी प्रसाद के साथ मीटिंग की है। बताया जा रहा है कि वह दोस्तों के साथ शराब पार्टी कर रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर आपस में सभी लड़ गए और एक दूसरे पर फायरिंग करने लगे। विकास का फिलहाल मेदांता अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। एसपी लॉ एंड ऑर्डर कृष्ण मुरारी प्रसाद ने बताया कि, 'एक आरोपी पिस्टल के साथ पकड़ा गया है, जिसका नाम पुटुश है। इसके पास से जो पिस्टल मिली है, वह अवैध है। फिलहाल, उसकी निशानदेही पर दूसरे आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। किसी भी आरोपी को नहीं बख्शा जाएगा। इसमें से कुछ लोगों का अपराधी इतिहास भी पाया गया है। शास्त्री नगर और कृष्णापुरी थाने में अपराधिक मामले दर्ज हैं।' जिन दो गुटों में लड़ाई हुई है, वह लंबे समय से एक दूसरे को जानते हैं। कई बार आपस में बोरिंग रोड में दबदबा कायम करने के लिए कहा-सुनी भी हो चुकी है। मंगलवार के दिन भी सभी ने एक साथ कृष्णापुरी इलाके में बर्थडे पार्टी मनाई थी। इस दौरान जमकर शराब भी पिया। इसके बाद सभी आउट ऑफ कंट्रोल हो गए और लड़ते झगड़ते मोहिनी मोड़ के पास आकर फायरिंग शुरू कर दी।

दानापुर सगुना मोड़ पर चलती थार में आग, ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

एजेंसी, पटना

पटना के दानापुर के सगुना मोड़ पर सगुना पुलिस चौकी के पास मंगलवार देर रात एक चलती महिंद्रा थार गाड़ी में अचानक आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते पूरी गाड़ी लपटों से घिर गई। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चलती थार से अचानक धुआं उठना शुरू हुआ और कुछ ही देर में आग की लपटें निकलने लगीं। आग को विकराल रूप लेते देख गाड़ी की ड्राइविंग सीट पर बैठा युवक तुरंत बाहर निकल आया और अपनी जान बचाई।

दमकल ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पायाः आग लगने की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दो दमकल गाड़ियों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। दमकल कर्मियों की तत्परता से आसपास खड़ी अन्य गाड़ियों और दुकानों को नुकसान होने से बचा लिया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने का कारण इंजन में शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। अग्निशमन अधिकारी विजय शंकर यादव ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि शॉर्ट सर्किट से थार गाड़ी में आग लगी थी। गाड़ी मालिक हर्ष राज ने भी इंजन में अचानक आग लगने की बात कही।

बिहार बोर्ड 10वीं परीक्षा : 7 फीट ऊंची दीवार फांदकर सेंटर में घुसा, एंट्री नहीं मिलने पर छात्रा ने किया सुसाइड

एजेंसी, पटना

- राज्यभर के 1699 परीक्षा केंद्रों पर करीब 15 लाख छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल

बिहार मैट्रिक (10वीं) परीक्षा का आज दूसरा दिन है। दोनों पालियों में गणित (मैथ्स) की परीक्षा आयोजित की जा रही है। पहली पाली की परीक्षा शुरू हो चुकी है। मुंगेर के मॉडल स्कूल परीक्षा केंद्र पर गेट बंद हो जाने के बाद 7 फिट ऊंची दीवार फांदकर छात्र सेंटर में घुस गया। राज्यभर के 1699 परीक्षा केंद्रों पर करीब 15 लाख छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। भागलपुर में एंट्री के दौरान एक दिव्यांग परीक्षार्थी को पुलिसकर्मियों ने गोद में उठाकर परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया। इधर, मसौढ़ी के खरजमा गांव की छात्रा कोमल कुमारी ने परीक्षा छूट जाने के बाद ट्रेन से कूदकर आत्महत्या कर ली।

मंगलवार को बरनी स्थित केंद्र पर उसकी परीक्षा थी। बताया जा रहा है कि वह परीक्षा देने के लिए सोमवार को ही अपने रिश्तेदार के गांव महाराजचक गई थी।

परीक्षा केंद्र बरनी में था, जो करीब 6 किलोमीटर दूर था। सुबह 9 बजे तक रिपोर्टिंग टाइम था, लेकिन वह 9:10 बजे केंद्र पहुंची। नियमानुसार गेट बंद कर दिया गया था। काफी कोशिशों के बावजूद जब प्रवेश नहीं मिला तो वह लौट आई। कुछ देर बाद वह नदौल पहुंची और ट्रेन में सवार हो गई। तरेगना और मसौढ़ी कोर्ट स्टेशन के बीच महाराजचक गांव के पास चलती ट्रेन से कूद गई। पुलिस उसे अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इस साल परीक्षा में करीब 15.12 लाख परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं, जिनमें छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक है। पहली पाली में लगभग 7.58 लाख और दूसरी में करीब 7.54 लाख परीक्षार्थी एग्जाम देंगे। बोर्ड की ओर से परीक्षार्थियों को सख्त निर्देश दिया गया है कि वे परीक्षा केंद्र पर जूता और मोजा पहनकर नहीं आएं। सुरक्षा जांच को आसान बनाने के लिए यह नियम लागू किया गया है।

दरभंगा में जल-जीवन-हरियाली अभियान से हरसिंगपुर में लौटी खुशहाली, चेक डैम से खत्म हुआ जल संकट

एजेंसी, पटना

- लाखों की लागत से निर्मित इस चेक डैम ने गांव के जल संकट को समाप्त करने के साथ कृषि और पशुपालन को नई दिशा दी

बिहार के दरभंगा जिले के अलीनगर प्रखंड अंतर्गत लगभग चार हजार की आबादी वाले हरसिंगपुर गांव में जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत बने चेक डैम ने ग्रामीण जीवन में बड़ा बदलाव ला दिया है। लाखों रुपये की लागत से निर्मित इस चेक डैम ने गांव के जल संकट को समाप्त करने के साथ-साथ कृषि और पशुपालन को नई दिशा दी है। कुछ वर्ष पहले तक हरसिंगपुर गांव में वर्षा जल संचयन की कोई स्थायी व्यवस्था नहीं थी। बरसात के दौरान पानी तेजी से बहकर नदियों और नालों में चला जाता था, जिससे जल संरक्षण संभव नहीं हो पाता था। गर्मियों में भू-जल स्तर अत्यंत नीचे चला जाता था, जिसके कारण कुएं, चापाकल और अन्य जलस्रोत सूख जाते थे।

इस स्थिति में गांव की खेती पूरी तरह वर्षा पर निर्भर थी और किसान केवल एक फसल ही उगा पाते थे। सिंचाई के अभाव में उत्पादन कम होता था, जिससे किसानों की आय घट गई थी। साथ ही पशुपालन और घरेलू उपयोग के लिए भी पानी की भारी कमी बनी रहती थी। रोजगार के सीमित अवसरों के कारण गांव के युवाओं को शहरों की ओर पलायन करना पड़ता था। गांव की इस गंभीर समस्या को देखते हुए ग्रामीण विकास विभाग ने जल संचयन के लिए चेक डैम निर्माण का निर्णय लिया। इसके तहत मनरेगा योजना के अंतर्गत 9 लाख 84 हजार रुपये की लागत से चेक डैम का निर्माण कराया गया। चेक डैम बनने से अब वर्षा जल का संचयन संभव हो गया है और इससे गांव के किसानों को बड़ा लाभ मिल रहा है। लगभग 250 एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई सुनिश्चित हुई है। इसके अलावा करीब 500 पशुधन के लिए भी पानी की उपलब्धता आसान हो गई है।

चेक डैम बनने के बाद गांव में खेती की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। अब किसान सब्जी, तिलहन और दलहन जैसी फसलों की खेती भी करने लगे हैं। इससे उनकी आय में वृद्धि हुई है और आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। हरसिंगपुर के किसान शंकर यादव ने बताया कि चेक डैम बनने से गांव में पानी की समस्या पूरी तरह समाप्त हो गई है और खेती तथा पशुपालन में काफी सुधार हुआ है। वहीं किसान उमेश यादव ने कहा कि यह योजना जल संरक्षण और ग्रामीण विकास की दिशा में अत्यंत सफल साबित हुई है।

चेक डैम बनने से गांव में हरियाली बढ़ी है और पर्यावरणीय संतुलन में भी सकारात्मक बदलाव आया है। इस परियोजना से अब तक 670 लोगों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ मिल चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि स्थायी जलस्रोत बनने से गांव में खुशहाली लौटी है और जीवन स्तर में सुधार हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार, जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत बना यह चेक डैम गांव के लिए विकास का नया द्वार साबित हुआ है और भविष्य में भी यह जल प्रबंधन और कृषि विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

बिहार विधानसभा में उठा प्रवासी मजदूरों के पार्थिव शरीर को घर पहुंचाने का मुद्दा

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा में असंगठित क्षेत्र के प्रवासी मजदूरों से जुड़ा मुद्दा उठाया गया। सदस्य अख्तरूल इमाम ने दुर्घटना या स्वाभाविक मृत्यु की स्थिति में प्रवासी मजदूरों के पार्थिव शरीर को उनके परिवार तक पहुंचाने की व्यवस्था को लेकर सरकार से स्पष्ट नीति बनाने की मांग की।

सदन में उन्होंने कहा कि बिहार के लगभग 70 प्रतिशत परिवार किसी न किसी रूप में प्रवासी मजदूरों पर निर्भर हैं। ऐसे में यदि किसी प्रवासी मजदूर की राज्य के बाहर या विदेश में स्वाभाविक मृत्यु हो जाती है, तो उनके परिजनों को पार्थिव शरीर लाने में भारी आर्थिक और मानसिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने मांग की कि स्वाभाविक मृत्यु के मामलों में भी सरकार पार्थिव शरीर को सम्मानपूर्वक घर पहुंचाने की जिम्मेदारी ले।

इस पर जवाब देते हुए श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग तथा युवा रोजगार एवं कौशल विभाग के मंत्री संजय सिंह टाइगर ने कहा कि वर्तमान प्रावधानों के तहत राज्य के बाहर अथवा विदेश में कार्यरत असंगठित क्षेत्र के प्रवासी श्रमिकों की दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनके पार्थिव शरीर को ससम्मान उनके घर तक पहुंचाने का दायित्व सरकार उठाती है।

हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वाभाविक मृत्यु की स्थिति में, चाहे वह राज्य के भीतर हो या बाहर, पार्थिव शरीर को घर पहुंचाने का कोई अलग से प्रावधान फिलहाल लागू नहीं है। मंत्री ने आश्वासन दिया कि सदस्य द्वारा दिए गए सुझाव पर विभागीय स्तर पर विचार किया जाएगा। चर्चा के दौरान सदस्य कुमार सर्वजीत ने यह भी प्रश्न उठाया कि अब तक कितने मजदूरों को इस योजना का लाभ मिला है। इसके उत्तर में मंत्री संजय सिंह टाइगर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक इस मद में 2,58,547 रुपये व्यय किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार के पास प्रवासी मजदूरों से संबंधित आंकड़े उपलब्ध हैं और आवश्यकता अनुसार सहायता प्रदान की जा रही है।

रामचक बैरिया में कचरा प्रोसेसिंग की कैमरे से होगी मॉनिटरिंग

एजेंसी, पटना

- पटना में आईसीसीसी कैमरे से जुड़ी मशीनें, मॉनसून से पहले लेगेसी वेस्ट के डिस्पोजल का टारगेट

पटना में कचरे के प्रॉपर प्रोसेसिंग के लिए रामचक बैरिया में काम काफी तेजी से चल रहा है। आज नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने समीक्षा की। उन्होंने मॉनसून से पहले रामचक बैरिया में लेगेसी वेस्ट के निष्पादन का लक्ष्य तय किया है। उन्होंने 31 मई 2026 तक कूड़े के साइंटिफिक प्रोसेसिंग और डिस्पोजल का निर्देश दिया है। रामचक बैरिया में कार्यरत सभी एजेंसियों को उनके-उनके स्थल चिन्हित कर आवंटित कर दिए गए हैं। नगर आयुक्त ने एजेंसियों को निर्देशित किया कि वे तुरंत मैन फोर्स बढ़ाए।

5 सदस्यीय निगरानी समिति का गठनः पूरे कार्य की प्रभावी निगरानी के लिए 5 सदस्यीय "लेगेसी वेस्ट कमेटी" का गठन किया गया है। कूड़े के साइंटिफिक प्रोसेसिंग के लिए विंड्रोज पद्धति अपनाई जा रही है, जो पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप है। इसके साथ ही सभी एजेंसियों को लेगेसी वेस्ट के प्रोसेसिंग और RDF (Refuse Derived Fuel) मटेरियल के सुरक्षित और वैज्ञानिक निस्तारण के संबंध में कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। मौके पर कार्यरत तीन एजेंसियों में से दो एजेंसियों का काम असंतोषजनक पाए जाने पर उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है।

रामचक बैरिया के मशीन ICCC कैमरे से जुड़ेः यहां स्थापित सभी मशीनों के नजदीक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इन कैमरों को इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC) तथा पटना नगर निगम के कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा, जिससे कामों की 24×7 मॉनिटरिंग की जाएगी। मौसम परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए फायर हाइड्रेंट और बोरिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त कैमरे लगाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

जलापूर्ति की बैठक में 13 लोगों से मांगा गया स्पष्टीकरणः इसके अलावा आज नगर आयुक्त की अध्यक्षता में जलापूर्ति की बैठक भी आयोजित हुई। इस समीक्षा बैठक में योजना के सभी अधिकारियों ने कार्य प्रगति का डिटेल प्रस्तुत किया गया जो असंतोषजनक पाया गया। वार्ड नंबर- 21,16, 27, 36, 18, 42 और 24 में चल रही जलापूर्ति, पटना अंतर्गत राज्य योजना से संबंधित योजनाओं के 13 संवेदक और संबंधित अभियंता से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

डिजिटल मॉनिटरिंग के लिए बनेगा फ्लाइंग स्क्वाड टीमः आज नगर विकास एवं आवास मंत्री विजय कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड (बुडको) के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस समीक्षा में नमामि गंगे परियोजना, स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज योजना, जलापूर्ति योजनाएं, विद्युत शवदाह गृह निर्माण सहित अन्य आधारभूत संरचना विकास कार्यों की डिटेल समीक्षा की गई। मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि अब योजनाओं की निगरानी पारंपरिक तरीके से नहीं, बल्कि डिजिटल माध्यमों से की जाएगी। उन्होंने कहा कि कार्यालय में बैठे-बैठे ही वीडियो कॉल के जरिए परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाए, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही की गुंजाइश न रहे। उन्होंने फ्लाइंग स्क्वाड टीमों का गठन कर जवाबदेही तय करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त समाचार

समकालीन अभियान में बड़ी कार्रवाई, 24 घंटे में 140 गिरफ्तारी

बीएनएम @ मोतिहारी। पुलिस उप-महानिरीक्षक, चम्पारण क्षेत्र बेतिया के आदेशानुसार 17 फरवरी 2026 को जिले में चलाए गए विशेष समकालीन अभियान के तहत कांड और वारंट मामलों में व्यापक गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार पिछले 24 घंटे के दौरान जिले में कुल 140 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से 117 अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। कांडों में 81 अभियुक्तों की गिरफ्तारी हुई, जबकि वारंट के मामलों में 59 लोगों को पकड़ा गया। इसके अलावा 28 इश्तिहार तामिला की कार्रवाई भी की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अपराध नियंत्रण और लंबित मामलों के निष्पादन के लिए इस प्रकार के विशेष अभियान लगातार चलाए जा रहे हैं।

जिला उद्योग केंद्र में ईडीपी प्रशिक्षण शुरू, लाभार्थियों के लिए भाग लेना अनिवार्य

बीएनएम @ मोतिहारी। जिला उद्योग केंद्र द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) के लाभार्थियों के लिए 10 दिवसीय ऑफलाइन उद्यमिता विकास कार्यक्रम (EDP) प्रशिक्षण 18 फरवरी से प्रारंभ हो गया है। यह प्रशिक्षण जिला उद्योग केंद्र परिसर में 28 फरवरी 2026 तक संचालित किया जाएगा। जिला उद्योग केंद्र ने बताया है कि जिन लाभार्थियों का बैंक से ऋण स्वीकृत हो चुका है, लेकिन राशि का वितरण लंबित है, उनके लिए इस प्रशिक्षण में भाग लेना अनिवार्य है। नियमों के अनुसार ईडीपी प्रशिक्षण पूरा किए बिना बैंक द्वारा ऋण राशि का वितरण नहीं किया जा सकता। सभी संबंधित लाभार्थियों से अपील की गई है कि वे अपने ऋण स्वीकृति पत्र, आधार कार्ड तथा बैंक पासबुक की छायाप्रति के साथ जिला उद्योग केंद्र, मोतिहारी कार्यालय में उपस्थित होकर प्रशिक्षण में भाग लें, ताकि ऋण वितरण की प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके।

चांद दिखा, रमज़ान का पहला रोज़ा आज

बीएनएम @ मोतिहारी। रमज़ान के पाक महीने का चांद दिखाई देने के साथ ही गुरुवार, आज से पहला रोज़ा रखा जाएगा। चांद दिखने की पुष्टि के बाद मुस्लिम समुदाय में खुशी का माहौल है। मस्जिदों और घरों में इबादत की तैयारियां शुरू हो गई हैं। रमज़ान इस्लामी कैलेंडर का नौवां महीना है, जिसे रहमत, बरकत और मग़फिरत का महीना माना जाता है। इस दौरान रोज़ेदार सुबह सहरी के बाद दिनभर रोज़ा रखते हैं और सूर्यास्त के बाद इफ़्तार करते हैं। पूरे महीने मस्जिदों में विशेष नमाज़ तरावीह अदा की जाती है।

एससी/एसटी कांड के फरार अभियुक्त के घर पुलिस ने चस्पाया इश्तिहार

बीएनएम @ मोतिहारी। हरपुर थाना कांड संख्या-270/22 (एससी/एसटी कांड) के नामजद फरार अभियुक्त इब्राहीम मियां के विरुद्ध न्यायालय के आदेश पर इश्तिहार तामिला की कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने अभियुक्त इब्राहीम मियां (पिता–मुस्तिकिम मियां), निवासी नायक टोला, थाना हरपुर, जिला पूर्वी चंपारण के घर पहुंचकर विधिवत इश्तिहार चस्पा किया और आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि न्यायालय के निर्देशानुसार आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है। निर्धारित अवधि के भीतर अभियुक्त के न्यायालय में उपस्थित नहीं होने पर उसके विरुद्ध कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

बलात्कार व पॉक्सो मामले में दोषी को 10–10 वर्ष कारावास की सजा

बीएनएम @ मोतिहारी। मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य और समर्पित चार्जशीट के आधार पर बलात्कार एवं पॉक्सो से जुड़े मामले में विशेष न्यायालय ने दोषी को कड़ी सजा सुनाई है। बुधवार, 18 फरवरी 2026 को विशेष न्यायाधीश (बलात्कार एवं पॉक्सो) मिथलेश कुमार की अदालत ने तुरकौलिया (बंजरिया) थाना कांड संख्या-659/23 (पीटीआर संख्या-121/23) में अभियुक्त रीता देवी (पति–स्व. अजय पासवान), निवासी अगरवा, थाना नगर, जिला पूर्वी चंपारण को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई। अदालत ने धारा 372 भा.दं.वि. के तहत 10 वर्ष के कारावास और 20,000 अर्थदंड तथा धारा 366(ए) भा.दं.वि. के तहत 10 वर्ष के कारावास और 20,000 अर्थदंड की सजा दी। अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर 15 दिन का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। इस मामले के वादी सुनील पासवान (पिता–सरमदेव पासवान), निवासी मोखलीशपुर, थाना बंजरिया, जिला पूर्वी चंपारण हैं। कांड के अनुसंधानकर्ता पुलिस अवर निरीक्षक चन्द्रभूषण झा एवं राजीव कुमार थे।

फोटो वायरल होने के बाद पुलिस की कार्रवाई, पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार

बीएनएम @ पताही/फेनहारा। सोशल मीडिया पर अवैध हथियार के साथ युवक की फोटो वायरल होने के बाद फेनहारा थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को पिस्टल और कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान गोविन्दबारा निवासी 22 वर्षीय राजा कुमार, पिता अरुण सिंह के रूप में हुई है। थाना प्रभारी रजनीश कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया पर युवक की पिस्टल के साथ फोटो वायरल होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने सत्यापन कर कार्रवाई की। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक पिस्टल और कई जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस जांच में आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ फेनहारा थाना कांड संख्या 182/25 और 242/25 के अलावा कांटी थाना में भी एक मामला दर्ज है। पुलिस के अनुसार आरोपी लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अवैध हथियार रखने सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस कार्रवाई के बाद स्थानीय लोगों ने राहत जताई है।

चोरी की घटना का 24 घंटे में खुलासा, सामान सहित पांच लोग हिरासत में

बीएनएम @ तुरकौलिया। रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने 24 घंटे के अंदर खुलासा करते हुए चोरी गए सामान के साथ पांच लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस सभी से पूछताछ कर रही है। बताया जाता है कि श्रीकृष्णनगर निवासी सुबोध पुरी की बालगंगा स्थित जमीन की बाउंड्री तोड़कर चोरों ने अंदर रखे पानी का मोटर, सीसीटीवी कैमरा, डीवीआर सहित अन्य सामान की चोरी कर ली थी। इस संबंध में पीड़ित ने मंगलवार को थाना में आवेदन दिया था। सुबोध पुरी मूल रूप से कोटवा थाना क्षेत्र के फतुहा के रहने वाले हैं और वर्तमान में सपरिवार श्रीकृष्णनगर में रहते हैं। उन्होंने बालगंगा में जमीन खरीदकर बाउंड्री कराई है, जिसके अंदर बने मकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। रघुनाथपुर थानाध्यक्ष अलका सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने लगातार छापेमारी कर चोरी गए सामान को बरामद किया और पांच लोगों को पकड़ा। सदर डीएसपी दिलीप सिंह ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों में पूर्व समिति सदस्य का पुत्र नरेश यादव भी शामिल है। भूमि विवाद को लेकर उसका सुबोध पुरी से पहले से विवाद चल रहा था। पुलिस के अनुसार नरेश यादव ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया। पुलिस मामले की जांच और पूछताछ में जुटी हुई है।

सूखा नशा के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई, तस्कर गिरफ्तार; गांजा, शराब व 7.27 लाख नगद बरामद

पिपराकोठी में 46 ग्राम गांजा और 2050 नगद बरामद करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

सूखा नशा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बुधवार को कुण्डवाचैनपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया। छापेमारी के दौरान गांजा, नेपाली देशी शराब और भारी मात्रा में नगद राशि बरामद की गई। गुप्त सूचना के आधार पर ग्राम खरूआ स्थित दामेश्वर शाह के घर में संचालित दुकान में दंडाधिकारी की उपस्थिति में छापेमारी की गई। इस दौरान पुलिस ने 505 ग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ, गांजा पीने वाला 12 चिलम, 132 लीटर नेपाली देशी शराब तथा 7,27,310 नगद बरामद किया। मौके से रामेश्वर साह (पिता–स्व. पंचम साह), निवासी खरूआ, थाना कुण्डवाचैनपुर, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में थाना में कांड दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध पूर्व में भी कुण्डवाचैनपुर थाना कांड संख्या 29/08 (हत्याकांड) दर्ज है। छापेमारी दल का नेतृत्व सिकरहना के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी उदय शंकर ने किया, जबकि थानाध्यक्ष सुनील कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में सूखा नशा और अवैध मादक पदार्थों के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इसमें संलिप्त लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पिपराकोठी संवाददाता के अनुसार, जिले में सूखा नशा के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। गुप्त सूचना के आधार पर पिपराकोठी थाना क्षेत्र में एक चाय की दुकान में चल रहे अवैध नशा कारोबार का खुलासा किया गया। छापेमारी पिपराकोठी के अंचल अधिकारी (सीओ) एवं थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई के दौरान 46 ग्राम गांजा और 2050 नगद बरामद करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र में सूखा नशा के विरुद्ध लगातार छापेमारी की जा रही है, जिससे अवैध कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है। गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है और मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

एक करोड़ की साइबर ठगी मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार, डीएसपी ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की

सागर सूरज

मोतिहारी। साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला साइबर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन ठगी के एक मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार "Aggni App" के माध्यम से करीब एक करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की गई थी।

बताया गया कि 23 जनवरी 2025 को साइबर थाना में दर्ज प्राथमिकी में शिकायत की गई थी कि मोबाइल रिचार्ज, बिजली बिल भुगतान और विज्ञापन से जुड़े कार्यों में निवेश पर अधिक मुनाफे का झांसा देकर लोगों से पैसे लिए गए। निवेशकों को दोगुना-तिगुना लाभ का प्रलोभन दिया गया और बाद में ऐप को बंद कर दिया गया।

तकनीकी अनुसंधान और डिजिटल ट्रैकिंग के आधार पर साइबर टीम ने मुख्य आरोपी संगम कुमार को फरीदाबाद से गिरफ्तार किया। उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है, जिसे जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य माना जा रहा है।

साइबर डीएसपी अभिनव परासर ने बताया कि साइबर अपराधियों के खिलाफ तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि "लोग किसी भी ऑनलाइन निवेश योजना या अधिक मुनाफे के दावे पर बिना सत्यापन विश्वास न करें। संदिग्ध कॉल, लिंक या ऐप के बारे में तुरंत साइबर थाना या हेल्पलाइन पर सूचना दें।"

80 पुड़िया गांजा के साथ एक गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

जयबजरंग थाना क्षेत्र के बंगरा फिरोज गांव में सूखा नशा के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने छापेमारी कर गांजा के 80 पुड़िया बरामद किए हैं। इस दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर की गई कार्रवाई में रामेश्वर पंडित (पिता–दिना पंडित), निवासी बुलबुल्वा, थाना राजेपुर, जिला मुजफ्फरपुर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि जिले में नशा तस्करी के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और इसमें संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सिलाई प्रशिक्षण पूर्ण करने वाली महिलाओं को प्रमाण-पत्र वितरण

» महापौर प्रीति कुमारी ने आत्मनिर्भरता पर दिया जोर

बीएनएम @ मोतिहारी

शहर के सदर प्रखंड स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया के ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) परिसर में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में सिलाई-कटाई प्रशिक्षण पूर्ण करने वाली महिलाओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में महापौर प्रीति कुमारी ने प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए कहा कि महिलाओं की आत्मनिर्भरता समाज और राष्ट्र की मजबूती की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास कार्यक्रम महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराते हैं, जिससे वे परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के साथ सम्मानजनक जीवन जी सकें। महापौर ने आश्वस्त किया कि नगर निगम भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करेगा। आरसेटी के निदेशक बिपिन कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान सिलाई-कटाई के तकनीकी पहलुओं के साथ व्यवसाय प्रारंभ करने, विपणन, लागत प्रबंधन और बैंकिंग संबंधी जानकारी भी दी गई। उन्होंने कहा कि कई महिलाएं प्रशिक्षण के बाद स्वयं का व्यवसाय शुरू करने की योजना बना रही हैं। कार्यक्रम में प्रशिक्षु महिलाओं, संस्थान के कर्मियों और अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

पिकअप वैन से युवक का शव बरामद

बीएनएम @ हरसिद्धि

मठलोहियार पंचायत के बनछिहुली नहर के समीप बुधवार को खड़ी एक पिकअप वैन से युवक का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। मृतक की पहचान पहाड़पुर थाना क्षेत्र के नोनेया गांव निवासी 32 वर्षीय खूबलाल साह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह छतवनिया गांव निवासी पिकअप चालक के साथ मछली लाने गोरखपुर गया था। दोनों प्रतिदिन मछली का कारोबार करते थे और उसी सिलसिले में बाहर जाते थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गोरखपुर से लौटते समय नौतन थाना क्षेत्र के मंगलपुर के पास सड़क दुर्घटना हुई। बताया जाता है कि मृतक चलती गाड़ी के केबिन से झुककर थूक फेंकने का प्रयास कर रहा था, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार हाईवा ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद चालक घबरा गया और परिजनों को फोन पर सूचना देने के बाद शव को लेकर गांव पहुंचने से पहले ही करीब एक किलोमीटर दूर वाहन खड़ा कर फरार हो गया। संदेह होने पर परिजन खोजबीन करते हुए बनछिहुली नहर के पास पहुंचे, जहां पिकअप में शव पड़ा मिला। इसके बाद 112 पर सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पिकअप वाहन को जब्त कर थाना ले आई। थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्पष्ट पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल किसी प्रकार का लिखित आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक शौर्य सुमन ने किया बलथर थाना का निरीक्षण

बीएनएम @ बेतिया

पुलिस अधीक्षक शौर्य सुमन, पश्चिम चंपारण द्वारा मंगलवार को बलथर थाना का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मालखाना, सीसीटीएनएस कक्ष, महिला हेल्प डेस्क, वायरलेस कक्ष, थाना परिसर एवं आवासीय बैरक का विधिवत जायजा लिया गया। इस अवसर पर अपराध निर्देशिका पार्ट-1, पार्ट-2, पार्ट-3, डकैती पंजी, लूट पंजी, गुंडा पंजी सहित विभिन्न पंजियों में की गई प्रविष्टियों का अवलोकन किया गया। साथ ही लंबे समय से लंबित हत्या, लूट एवं डकैती से संबंधित कांडों की समीक्षा कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। संबंधित मामलों में वारंट एवं कुर्की प्राप्त कर शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान नरकटियागंज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, मैनाटांड़ अंचल के पुलिस अंचल निरीक्षक, बलथर थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

दो घरों में चोरी, नकदी व जेवरात समेत लाखों की संपत्ति गायब

बीएनएम @ तुरकौलिया

थाना क्षेत्र के अमवा वार्ड संख्या-1 में देर रात अज्ञात चोरों ने दो सटे हुए घरों को निशाना बनाते हुए नकदी और जेवरात सहित करीब 10 लाख रुपये की संपत्ति चोरी कर ली। पीड़ितों में चचेरे भाई पंकज उपाध्याय और दीपक उपाध्याय शामिल हैं। बताया जाता है कि दीपक उपाध्याय का परिवार बेंगलुरु और जालंधर में रहता है और वे पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। वहीं पंकज उपाध्याय मोतिहारी में आयुर्वेदिक दुकान चलाते हैं और परिवार के साथ वहीं रहते हैं। वे सप्ताह में एक-दो बार गांव आते-जाते थे। घटना की जानकारी बुधवार अहले सुबह तब हुई, जब पाटीदार परिवार की एक महिला फूल तोड़ने के लिए पहुंची और दीपक उपाध्याय के घर का लोहे का मुख्य गेट खुला देखा। आसपास के लोगों को सूचना देने पर घर का ताला कटा हुआ मिला और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। पास ही पंकज उपाध्याय के घर का भी ताला टूटा मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल की बैरिकेडिंग कर फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। चलंत एफएसएल टीम और डीआईयू ने दोनों घरों से सैंपल लेकर साक्ष्य जुटाए। पीड़ितों के अनुसार पंकज उपाध्याय के घर से अलमारी, पेटी और लॉकर तोड़कर करीब पांच लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और 50 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए गए। वहीं दीपक उपाध्याय के घर से भी लाखों रुपये के गहने चोरी होने की बात कही जा रही है। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की है। एफएसएल और डीआईयू टीम की मदद से विभिन्न बिंदुओं पर छानबीन की जा रही है। जल्द ही चोरी की घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

चुलाई शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तारः 110 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद

बीएनएम @ सुगौली। थाना क्षेत्र के मेहवा गांव में बुधवार को पुलिस ने छापेमारी कर 110 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की। इस दौरान एक कारोबारी को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मेहवा गांव निवासी हीरालाल सहनी के पुत्र अमीरी सहनी के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से शराब जब्त कर ली है। मामले में मद्य निषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बिहार में शराबबंदी फेल, हो रही होम डिलीवरी : जीतन राम मांझी

जीतन राम मांझी ने नीतीश कुमार से की कानून की समीक्षा की मांग

बीएनएम @ गयाजी। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री और गया सांसद जीतन राम मांझी ने एक बार फिर बिहार में शराबबंदी कानून की प्रभावशीलता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। गया प्रवास के दौरान मीडिया से मुखातिब होते हुए उन्होंने स्पष्ट कहा कि राज्य में शराबबंदी पूरी तरह विफल है और अब घर-घर शराब की 'होम डिलीवरी' हो रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इस कानून की समीक्षा करने की पुरजोर मांग की है।मांझी ने चिंता जताते हुए कहा कि शराबबंदी के कारण बिहार को भारी आर्थिक क्षति हो रही है, क्योंकि शराब बाहर से मंगवाई जा रही है और जनता का पैसा दूसरे राज्यों में जा रहा है। उन्होंने जहरीली शराब के निर्माण पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गरीब तबके के लोग यूरिया, नौसादर और मवेशियों को दिए जाने वाले इंजेक्शन मिलाकर दो घंटे में शराब तैयार कर रहे हैं, जो वास्तव में जहर है। इससे सबसे अधिक एससी (अनुसूचित जाति) समुदाय, विशेषकर भुइयां-मुसहर समाज के मेहनतकश लोग प्रभावित हो रहे हैं और अपनी जान गंवा रहे हैं।पूर्व मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि बड़े लोग तो महंगी विदेशी बोतलें मंगाकर सुरक्षित पी लेते हैं, लेकिन गरीब जहरीली शराब पीकर मर रहे हैं या जेल जा रहे हैं। उन्होंने अपने पूर्व सहयोगी विषु मांझी का उदाहरण देते हुए कहा कि जहरीली शराब ने कई परिवारों को तबाह कर दिया है। मांझी के अनुसार, शराबबंदी कानून के तहत दर्ज होने वाले मुकदमों में भी सबसे अधिक संख्या दलितों की है, इसलिए अब इस कानून की जमीनी हकीकत को देखते हुए इसकी समीक्षा अनिवार्य है।

अस्पताल से छुट्टी मिलने से पहले मिलेगा जन्म प्रमाण पत्र

बीएनएम @ जमुई/झाझाः भारत के महारजिस्ट्रार कार्यालय, नई दिल्ली ने बिहार के सभी जिला पदाधिकारियों को एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है, जिसके तहत अब सरकारी अस्पतालों से छुट्टी मिलने से पहले ही नवजात का जन्म प्रमाण पत्र देना अनिवार्य होगा। यह व्यवस्था जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (संशोधित 2023) तथा संबंधित नियमावली के आलोक में लागू की गई है।इस आदेश के अनुसार, राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) में जन्म लेने वाले शिशुओं का पंजीकरण ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से तुरंत करना होगा। सरकार का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रसूता महिला अस्पताल से डिस्चार्ज होते समय अपने बच्चे का कानूनी जन्म प्रमाण पत्र साथ लेकर जाए। इससे न केवल पंजीकरण की प्रक्रिया सरल होगी, बल्कि अभिभावकों को भविष्य में प्रमाण पत्र के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर भी नहीं काटने पड़ेंगे।

बरहट में 20-21 फरवरी को मेगा जॉब कैंप

मेगा जॉब कैंप में चार बड़ी कंपनियां देंगी नौकरियां

बीएनएम @ बरहट (जमुई)। बिहार सरकार के युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के तत्वावधान में जिला नियोजनालय, जमुई द्वारा आगामी 20 और 21 फरवरी 2026 को दो दिवसीय मेगा जॉब कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर बरहट प्रखंड परिसर में सुबह 10:30 बजे से शाम 3:30 बजे तक आयोजित होगा, जिसका उद्देश्य स्थानीय बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान करना है।इस मेगा जॉब कैंप में एसआईएस इंडिया लिमिटेड और ब्लिंक कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड जैसी चार प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल हो रही हैं। कुल 120 रिक्त पदों पर बहाली की जाएगी, जिनमें सुरक्षा गार्ड, सुपरवाइजर और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के विभिन्न पद प्रमुख हैं। इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास से स्नातक तक निर्धारित की गई है, जबकि आयु सीमा 18 से 40 वर्ष रखी गई है।चयनित उम्मीदवारों को उनकी योग्यता और पद के अनुसार 12,500 रुपये से 29,500 रुपये तक का मासिक वेतन दिया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने साथ बायोडाटा और सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की मूल व छायाप्रति लाना अनिवार्य है। साथ ही, कैंप में भाग लेने के लिए नेशनल करियर सर्विस (NCS) पोर्टल पर निबंधन होना आवश्यक है। पात्र उम्मीदवार सीधे साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

झाझा प्रखंड में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान तेज

बीएनएम @ जमुई/झाझा। फाइलेरिया बीमारी से मुक्त करवाने को लेकर 10 फरवरी से शुरू हुए सर्वजन दवा सेवन अभियान तेजी से झाझा प्रखण्ड क्षेत्र में चलाया जा रहा है। जानकारी देते हुए बीसीएम पंकज कुमार में बताया कि कुल लक्ष्य 2 लाख 91 हजार 944 है जिसमे घर घर जाकर दवा खिलाने के लक्ष्य 69578 है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर नबाब ने बताया कि फाइलेरिया बीमारी से बचाव को लेकर स्वास्थ्य कर्मियों के अलावे क्षेत्र में प्रचार वाहन भी घुमाया जा रहा है जिसके माध्यम से लोगों को दवा के सेवन से फाइलेरिया बीमारी से कैसे बचाव होगा इसके लिए जागरूक किया जा रहा है। गांव गांव जाकर अबतक हर घर मे आशाकर्मी, स्वास्थ्य कर्मी के द्वारा 32364 लोगों को दवा खिलाया गया जबकि अन्य स्थलों पर भी यह अभियान चलाकर कुल 1 लाख 27 हजार 423 लोगो को फाइलेरिया बीमारी से बचाव को लेकर दवा खिलाया गया।

शोभायात्रा में मारपीट के बाद गहने छीने, गांव में तनाव

बीएनएम @ जमुई/झाझा – थानाक्षेत्र के मछिन्द्रा गांव में एक धार्मिक अनुष्ठान के दौरान शोभायात्रा में मारपीट और छिनतई का मामला प्रकाश में आया है। स्थानीय निवासी महेश साव ने थाने में आवेदन देकर गांव के ही कुछ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़ित के अनुसार, मां पार्वती की शोभायात्रा के दौरान उनकी बेटी काजल कुमारी के साथ प्रवीण यादव, बीरेंद्र यादव और करीब सात महिलाओं ने मारपीट की।जब महेश की पत्नी रीना देवी और भतीजी सृष्टि बचाव के लिए पहुंचीं, तो आरोपियों ने उन्हें भी बंधक बनाकर उनके साथ मारपीट की। आरोप है कि इस दौरान हमलावरों ने काजल के सोने का कंगन, मनटिका, झुमका और मंगलसूत्र भी छीन लिए। प्रभारी थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि पीड़ित के आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस घटना की गहनता से जांच कर रही है।

परिवार नियोजन आयोजित

बीएनएम @ नारदीगंज (नवादा) सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारदीगंज में मंगलवार को परिवार नियोजन कार्यक्रम हुआ। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा.नवीन कुमार ने केंद्र में विभिन्न गांव के आई छह महिलाओं का बंध्याकरण किये । इस मौके पर लैब टेक्नीशियन जितेन्द्र कुमार व मुकुंद कुमार,विकास कुमार ने बंध्याकरण के लिए आई महिलाओं का खून,मूत्र ,रक्त समेत अन्य जांच की।.

सरकारी बांध का पेड़ कटवा कर अवैध परिवहन, ट्रैक्टर सहित लकड़ी जब्त

बीएनएम @ पताही

पचपकड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहम्मदपुर गांव में सरकारी बांध पर लगे पेड़ की अवैध कटाई एवं परिवहन का मामला सामने आया है। इस संबंध में मोहम्मदपुर के ग्रामीणों द्वारा पचपकड़ी थाना को सूचना दी गई कि मोहम्मदपुर के सरपंच के ससुर फखरुद्दीन उर्फ सोहन, पिता हसीन अख्तर, निवासी लहसनिया थाना पचपकड़ी, जिला पूर्वी चंपारण के द्वारा सरकारी बांध पर लगे जिंदा पेड़ को कटवाकर अवैध रूप से ट्रैक्टर के माध्यम से परिवहन कराया जा रहा है। ग्रामीणों की सूचना को गंभीरता से लेते हुए पचपकड़ी थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर सरकारी पेड़ की लकड़ी एवं परिवहन में प्रयुक्त ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। पुलिस द्वारा जब्त लकड़ी को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पचपकड़ी थानाध्यक्ष पूजा कुमारी ने बताया कि सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और अवैध कटाई एवं परिवहन के मामले में संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है तथा दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है और ग्रामीणों ने प्रशासन से सरकारी संपत्ति की सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है।

सड़क हादसे में युवक की मौत, क्षत-विक्षत शव बरामद

बीएनएम @ तुरकौलिया

थाना क्षेत्र के धोबिया टोला निवासी 30 वर्षीय विक्की कुमार यादव का शव चरगाहां कमिटी से बगहुत गांव जाने वाली सड़क किनारे मनोज पाठक के घर के पास से पुलिस ने देर रात क्षत-विक्षत अवस्था में बरामद किया। शव के पास से पुलिस ने स्प्लेंडर प्लस बाइक भी बरामद की, जिसकी लाइट जल रही थी। ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बताया जाता है कि विक्की कुमार यादव तमिलनाडु में एक राइस मिल में काम करता था। वह गत 17 जनवरी को तमिलनाडु से घर आया था। कुछ मजदूरों को लेकर पुनः तमिलनाडु जाने के सिलसिले में वह अपने ममहर दरियापुर गया था। वहीं से लौटने के दौरान अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। टक्कर मारने के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना में युवक का शव आधा कुचला हुआ सड़क किनारे पड़ा था, जबकि बाइक बगल में गिरी मिली। मृतक दो भाइयों में बड़ा था और उसके दो पुत्र तथा एक पुत्री हैं। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। आवेदन मिलने पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। प्रथम दृष्टया मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत होता है।

विकसित पैक्स में चल रहे योजनाओं के बारे में ली विस्तृत जानकारी

बीएनएम @ पकड़ीदयाल

सहकारिता विभाग के निर्देश पर प्रखंड के बोकाने कला पैक्स केंद्र पर विकसित पैक्स के भ्रमण, दर्शन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत सीतामढ़ी जिला के विभिन्न पैक्स प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पैक्स अध्यक्ष आलोक कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर सीतामढ़ी जिले के बोखरा प्रखंड, दादरी प्रखंड, बिरार प्रखंड एवं नानपुर प्रखंड के विभिन्न पैक्स अध्यक्षों एवं प्रबंधकों की 25 सदस्यीय टीम ने बोकाने कला पैक्स के कार्यों का निरीक्षण किया। इस भ्रमण दर्शन सह प्रशिक्षण के क्रम में बोकानेकला पैक्स के द्वारा पैक्स के अंतर्गत संचालित योजना का विवरण विस्तार पूर्वक बताया गया है। जो निम्न हैः धान अधिप्राप्ति कार्य पर वार्ता, मिलिंग हेतु धान की गुणवत्ता, पैक्स के द्वारा संचालित मत्स्य पालन, सीएससी (CSC) ka संचालन, मुख्यमंत्री हरित कृषि संयंत्र का संचालन, बैंकिंग व्यवस्था, मिनी ATM की व्यवस्था, पैक्स के द्वारा संचालन मसाला व्यवसाय एवं आटा चक्की व्यवसाय l साथ ही सभी जगह को अध्यक्ष महोदय एवं प्रबंधक महोदय के द्वारा भ्रमण करवाया गया। इस अवसर पर बीसीओ शंकर कुमार, प्रबंधक रजनीश कुमार, पुपरी पैक्स के राजन साह,दिलीप राय, सुनील कुमार, मनोज कुमार मंडल, छोटी कुमारी, दिनेश कुमार चौधरी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सड़कों पर उड़ रही हैं यातायात नियमों की धज्जियां, सड़क दुर्घटनाओं में उजड़ रहे परिवार, प्रशासन पर उठ रहे सवाल

बीएनएम @ सुगौली @ मृत्युंजय कुमार पाण्डेय

छपवा–सुगौली राष्ट्रीय राजमार्ग पर इन दिनों यातायात नियमों की खुलेआम अनदेखी देखी जा रही है। चारपहिया वाहनों से लेकर बाइक सवार तक तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चला रहे हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। आए दिन कोई न कोई गंभीर रूप से घायल हो रहा है, तो कई लोग अपनी जान भी गंवा रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनी लेन व्यवस्था का पालन नहीं किया जा रहा है। पहले जहां खराब सड़कों को दुर्घटनाओं का कारण माना जाता था, वहीं अब बेहतर सड़कों पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण हादसे बढ़ रहे हैं। स्थिति यह है कि अवयस्क भी बेखौफ होकर बाइक, ट्रैक्टर, टेंपो और ई-रिक्शा चला रहे हैं। कई वाहन चालक बिना हेलमेट और ड्राइविंग लाइसेंस के सड़क पर उतर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यात्री वाहनों और छोटे व्यावसायिक वाहनों के चालक अधिक सवारी और कम समय में गंतव्य तक पहुंचने की होड़ में निर्धारित गति सीमा की अनदेखी कर रहे हैं। इससे सड़क पर चलना जोखिम भरा हो गया है और लोगों में हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाएं सामाजिक और पारिवारिक त्रासदी का रूप ले रही हैं। वहीं, यातायात नियमों के पालन को लेकर यातायात पुलिस और स्थानीय प्रशासन की सक्रियता पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का मानना है कि नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए तो दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है।

रजौली में आज हिंदू एकता का महासंगम

राष्ट्र रक्षा यज्ञ और विराट सम्मेलन की तैयारियां पूरी

बीएनएम @ रजौली

नवादा जिले के रजौली संगत में आज, 19 फरवरी गुरुवार को 'राष्ट्र रक्षा यज्ञ सह विराट हिंदू सम्मेलन' का भव्य आयोजन होने जा रहा है। यह कार्यक्रम हिंदू संस्कृति और सामाजिक एकता के एक महासंगम के रूप में देखा जा रहा है। आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार, धनंजय कुमार धन्नू, पवन पांडेय और अन्य सहयोगियों ने क्षेत्र में पंपलेट बांटकर और जागरूकता अभियान चलाकर लोगों से इस ऐतिहासिक सम्मेलन में शामिल होने की अपील की है।कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार, सुबह 9 बजे रजौली संगत से कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो बाजार होते हुए धनारजय नदी पहुंचेगी। इसके पश्चात सुबह 10 बजे गौ पूजन और 10:30 बजे से राष्ट्र रक्षा यज्ञ का आयोजन होगा। दोपहर 12 बजे दीप प्रज्ज्वलन के बाद विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा। आयोजकों ने सभी हिंदू बंधुओं और भगिनियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस धार्मिक उत्सव को सफल बनाने और अपनी सांस्कृतिक एकजुटता का परिचय देने का आह्वान किया है।

जिले की पहचान और गौरव का उत्सव है स्थापना दिवसः डीएम

बीएनएम @ जमुई

» 21 फरवरी को सजेगा स्थापना दिवस का जश्न
» रितिका राज की सुरमयी शाम और भव्य प्रभात फेरी

आगामी 21 फरवरी को जिले का स्थापना दिवस भव्यता के साथ मनाया जाएगा, जिसकी तैयारियों का जायजा लेने बुधवार को डीएम श्री नवीन ने श्री कृष्ण सिंह स्टेडियम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंच सज्जा, दर्शक दीर्घा, सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन की बारीकी से समीक्षा की। डीएम ने स्पष्ट किया कि स्थापना दिवस जिले के गौरव का प्रतीक है, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ इसे सफल बनाएं।इस वर्ष का मुख्य आकर्षण सांस्कृतिक संध्या होगी, जिसमें इंडियन आइडल फेम गायिका रितिका राज, गायक मनीष मयूर और एंकर अमित पराशर अपनी प्रस्तुतियों से समां बांधेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 7 बजे प्रभात फेरी से होगी, जिसके बाद 10 बजे विधिवत उद्घाटन और विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का प्रदर्शन होगा। शाम 5 बजे से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू की जाएगी।निरीक्षण के दौरान डीडीसी सुभाष चंद्र मंडल, अपर समाहर्ता रवि कान्त सिन्हा और जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित कई वरीय अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन की इन सक्रिय तैयारियों ने जिलेवासियों के बीच स्थापना दिवस को लेकर भारी उत्साह पैदा कर दिया है।

इंटर विद्यालय में 120 छात्राओं के बीच पाठ्य सामग्री वितरण

बीएनएम @ नारदीगंज(नवादा)

नारदीगंज स्थित इंटर विद्यालय में बुधवार को छात्राओं के मनोबल को बढ़ाने के लिए एक विशेष पाठ्य सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह पहल विद्यालय के शिक्षक समीर खान और विद्यालय प्रबंधन के संयुक्त प्रयासों से संपन्न हुई। इस अवसर पर नवम कक्षा की 120 छात्राओं को शिक्षक समीर खान के सौजन्य से परिचय पत्र (आईडी कार्ड), जूते और कलम प्रदान किए गए। वहीं, विद्यालय प्रबंधन ने सभी छात्राओं को स्कूल बैग और अन्य आवश्यक पाठ्य सामग्री वितरित की।शिक्षक समीर खान ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उन्हें शिक्षा के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने छात्राओं को अनुशासन का महत्व समझाते हुए नियमित रूप से स्कूली ड्रेस और परिचय पत्र लगाकर विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी कृष्ण कांत ईचा गुट्टू ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड लेखापाल संजीव रंजन और बीआरपी आनंद कुमार उपस्थित रहे। पाठ्य सामग्री पाकर राधिका, शशि और मुस्कान सहित सभी छात्राएं बेहद उत्साहित दिखीं और उन्होंने मन लगाकर पढ़ने व नियमित स्कूल आने का संकल्प लिया। इस मौके पर विद्यालय के दर्जनों शिक्षक और कर्मचारी मौजूद थे।

रजौली के सुकदेव करियर सेंटर में "गो ग्रीन" प्रोजेक्ट का धमाल,

बीएनएम @ रजौली

युवाओं ने मॉडलों से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बिहार सरकार के युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित सुकदेव करियर सेंटर, रजौली में बुधवार को प्रशिक्षुओं द्वारा "गो ग्रीन" प्रोजेक्ट का शानदार प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और स्वच्छ भविष्य के प्रति युवाओं को जागरूक करना था। केंद्र के संचालक संदीप कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता के जरिए समाज को हरित संदेश दिया।प्रशिक्षुओं ने आकर्षक मॉडलों के माध्यम से सौर ऊर्जा, जल संरक्षण, और औद्योगिक प्रदूषण के खतरों को बखूबी दर्शाया। उन्होंने बताया कि सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों को अपनाकर और प्लास्टिक का उपयोग बंद कर हम प्रकृति को बचा सकते हैं। इस प्रोजेक्ट के दौरान यह संकल्प लिया गया कि हर व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए।प्रतियोगिता की रैंक सूची और चयन सूची में निशा कुमारी (अंदेवारी), रोबिन कुमार, रूबा कुमारी, आस्था, कोमल, और सुहानी कुमारी के समूह प्रोजेक्ट ने अपनी जगह बनाई। नवंबर बैच 2025 के दर्जनों प्रशिक्षुओं, जिनमें रौशन, लैली, शगुफ्ता, शिवानी और अन्य शामिल थे, ने इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई। संचालक संदीप कुमार ने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। अंत में, सभी प्रतिभागियों ने 'गो ग्रीन' का संकल्प लिया और स्वच्छ व हरित भारत के निर्माण में अपना योगदान देने का वादा किया।

मुजफ्फरपुर में रिश्वत लेते पुलिस अवर निरीक्षक गिरफ्तार, निगरानी टीम की कार्रवाई

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार की मुख्यालय टीम ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए सदर थाना में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक भाष्कर कुमार मिश्रा को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी सदर थाना, मुजफ्फरपुर के गेट के बाहर से की गई। ब्यूरो के अनुसार रामपुर दयाल निवासी अमन कुमार ने पटना स्थित निगरानी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी कि सदर थाना कांड संख्या 839/25 की केस डायरी में सहायता करने के एवज में आरोपी अधिकारी द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायत के सत्यापन के दौरान रिश्वत मांगने के आरोप सही पाए जाने पर निगरानी थाना कांड संख्या 21/26 दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस उपाधीक्षक संजय कुमार के नेतृत्व में धावादल का गठन कर ट्रैप कार्रवाई की गई, जिसमें आरोपी को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के बाद आरोपी को विशेष निगरानी न्यायालय, मुजफ्फरपुर में प्रस्तुत किया जाएगा। मामले में आगे की जांच जारी है। ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2026 में यह भ्रष्टाचार के विरुद्ध दर्ज 21वां मामला है। अब तक ट्रैप मामलों में 15 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है और कुल 7 लाख 57 हजार रुपये की रिश्वत राशि बरामद की गई है।

मोदी सरकार विफल

ट्रंप अधिकतम वसूली करने और भारत की भू-राजनीतिक प्राथमिकताओं को अपने अनुरूप ढालने की कोशिश की है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन मोर्चों पर भारत के संप्रभु अधिकारों एवं भारतीय हितों की रक्षा करने में नरेंद्र मोदी सरकार विफल रही है। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर जारी साझा बयान इस संबंध में सोशल मीडिया पोस्ट पर डॉनल्ड ट्रंप की पूर्व घोषणा के अनुरूप है। इसमें शामिल शर्तों के मद्देनजर यह भी कहा जा सकता है कि पूरा समझौता ट्रंप की शर्तों पर है। ह्वाइट हाउस से जारी साझा बयान के जब पहले ही पैराग्राफ में कहा गया है कि अमेरिका के सभी औद्योगिक उत्पादों और बड़े पैमाने पर खाद्य एवं कृषि पैदावार पर से भारत टैरिफ घटाएगा, तो फिर केंद्र के इस दावे में ज्यादा दम नहीं बचता कि उसने कृषि क्षेत्र के हितों की पूरी रक्षा की है। अमेरिकी बयान में सूखा आसवक चोकर, चारे के लिए लाल ज्वार, ट्री नट्स (बादाम, काजू, अखरोट, पिस्ता आदि), ताजा और प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, शराब, स्पीरिट आदि का नाम लेकर जिक्र है, जिन पर टैरिफ खत्म किए जाएंगे। उधर पांच साल में 500 बिलियन डॉलर की अमेरिकी सामग्रियों की खरीदारी की बात भी डील का हिस्सा है। फिलहाल, भारत 85 बिलियन डॉलर का निर्यात और 45 डॉलर का आयात करता है। इस तरह उसे अमेरिका से तकरीबन 40 बिलियन डॉलर का व्यापार लाभ है। अब भारत ने औसतन प्रति वर्ष 15 बिलियन डॉलर के व्यापार घाटे में जाने का करार किया है। उसका दबाव पहले से ही डगमगाए रुपये के भाव पर पड़ेगा। उधर भारत में टैरिफ हटने का भारत के राजकोष पर दबाव महसूस किया जाएगा। ऊपर से ह्वाइट हाउस ने एक अलग विज्ञप्ति जारी कर इसकी पुष्टि की है कि भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करने का वादा अमेरिका से किया है। बदले में अमेरिका भारतीय उत्पादों पर लगे 50 प्रतिशत को घटा कर 18 फीसदी पर लाएगा। लेकिन यह साफ है कि समझौता दोनों तरफ लगने वाले टैरिफ तक सीमित नहीं है। बल्कि अपने परिचित अंदाज के मुताबिक ट्रंप प्रशासन ने इसके जरिए भारत से अधिकतम वसूली करने और भारत की भू-राजनीतिक प्राथमिकताओं को अपने अनुरूप ढालने की कोशिश की है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन मोर्चों पर भारत के संप्रभु अधिकारों एवं भारतीय हितों की रक्षा करने में नरेंद्र मोदी सरकार विफल रही है।

भगवान राम सभी के आंतरिक साक्षी

संजय गोस्वामी

ऐतिहासिक महाकाव्यों को संस्कृति की आत्मा माना जाता है, जिनमें समझने और लागू करने लायक अनगिनत मनोवैज्ञानिक अवधारणाएँ निहित हैं। इतिहास से ही, रामायण और श्रीमद्भगवद्गीता धार्मिक समझ और विश्वासों का मूल रहे हैं और साथ ही कठिन समय में मानव जाति का मार्गदर्शन भी किया है। रामायण के नायक भगवान राम हैं, जिन्हें सम्मानपूर्वक मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है, जिसका अर्थ है एक मज़बूत नैतिक आधार। इस चरित्र का अध्ययन महाकाव्य के प्रमुख प्रसंगों में अलग-अलग रूप से किया जा सकता है। धार्मिक पुस्तकों के रूप में कार्य करने के अलावा, महाकाव्य एक परिकल्पित और संकल्पित जीवनशैली के आदर्श के लिए आधारशिला का काम करते हैं। इसमें ज़िम्मेदार, तार्किक, स्वीकार करने वाला, देखभाल करने वाला, प्रशासनिक, प्रेरक, भावनात्मक रूप से स्थिर होना आदि शामिल हैं। भगवान राम और उनकी कार्य पर सोच वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए उनके नैतिक मूल्यों, विशेषताओं और आदर्शवाद का उदाहरण प्रस्तुत करती है। भगवान राम इतिहास में एक अद्वितीय पात्र हैं जिनमें एक ही पहचान में सभी अच्छे गुण मौजूद हैं, जिससे तकनीकी रूप से उन्हें दोबारा पाना असंभव है। उन्हें एक आदर्श पुत्र, आदर्श भाई, आदर्श पति, आदर्श पिता और एक आदर्श नेता/ राजा के रूप में वर्णित किया गया है। यहाँ तक कि महाभारत - दूसरे हिंदू महाकाव्य में भी, उन्हें एक आदर्श नैतिक पहचान बताया गया है हिंदू पौराणिक कथाओं में प्रायः अवतार कहे जाने वाले भगवान राम को पृथ्वी पर ईश्वर का एक जीवंत अवतार कहा जाता है जो बढ़ती बुराइयों को दूर करने और लोगों के मन और चरित्र को शुद्ध और निष्प्रभावी बनाने के लिए प्रकट हुए। रामायण में कई उपाख्यान दिए गए हैं जो जागरूकता और तर्कसंगत सोच को बढ़ाने और आनंदमय जीवन जीने के लिए तकनीक उपचार और सकारात्मक मानसिकता के रूप में काम करते हैं । भारत के महाकाव्य में अन्य प्रमुख पात्रों की भी भूमिकाएँ पाई जाती हैं जो भगवान राम को सर्वाधिक आदर्श व्यक्ति के रूप में स्थापित करती हैं, जैसे रावण - प्रतिपक्षी, लक्ष्मण - राम के भाई, माता सीता - राम की पत्नी, भरत - राम के भाई और हनुमान - शिष्य, संकटमोचक और राम के मित्र। 1. प्रेरणा प्रेरणा का सबसे अच्छा उदाहरण वाल्मीकिकृत श्री रामचरितमानस किष्किन्धा कांड में देखा जा सकता है। जब वानर सेना - भगवान राम और हनुमान के नेतृत्व में वानरों की टीम माता सीता को बचाने के लिए लंका पहुँचने हेतु हिंद महासागर के तट पर पहुँची, तो समुद्र को पार करना आवश्यक था - एक ऐसा कार्य जो लगभग असंभव था। इस समय, प्रेरणा कारक ही सबसे अधिक काम आया। श्लोकों के अनुसार, टीम के सभी सदस्यों ने हनुमान की स्तुति करना शुरू कर दिया ताकि उन्हें उनकी क्षमताओं और सामर्थ्य के बारे में बल और प्रेरणा मिले, जिन्हें वे अपनी पिछली शरारतों के कारण भूल गए थे। स्तुति ने हनुमान को और भी सशक्त बनाया जिससे बाद में उन्हें कार्य पूरा करने में मदद मिली। जैसा कि निम्नलिखित अंश में बताया गया हैः "फिर भालुओं के राजा हनुमान की ओर मुड़ेः हे पराक्रमी हनुमान, सुनोः तुम चुप कैसे हो? पवन-देवता के पुत्र, तुम अपने पिता के समान बलवान हो और बुद्धि, विवेक और आध्यात्मिक ज्ञान के भंडार हो। इस संसार में ऐसा कौन सा कार्य है जो तुम्हारे लिए पूरा करना बहुत कठिन हो, प्रिय बालक? भगवान राम की सेवा के लिए ही तुम पृथ्वी पर अवतरित हुए हो। जैसे ही हनुमान ने ये शब्द सुने, वे एक पर्वत के आकार के हो गए और उनका शरीर सोने की तरह चमक रहा था और वैभव से परिपूर्ण था मानो वे पर्वतों के एक और राजा (सुमेरु) हों। सिंह की तरह बार-बार दहाड़ते हुए उन्होंने कहा, मैं आसानी से सागर को पार कर सकता हूँ और रावण को उसकी पूरी सेना सहित मारकर त्रिकूट पर्वत को उखाड़कर यहाँ ला सकता हूँ। (रामचरितमानस, किष्किन्धा काण्ड, दोहा-29)। उपरोक्त अंश में, प्रेरणा को हनुमान के शरीर और शक्ति के विस्तार के रूप में इस प्रकार दर्शाया गया है कि समुद्र पार करने जैसा असंभव कार्य भी संभव हो जाता है और हनुमान उड़कर लंका पहुँच जाते हैं। हालाँकि, उपरोक्त प्रसंग प्रेरणा की सार्वभौमिक और मनोवैज्ञानिक अवधारणा को सुदृढ़ीकरण के माध्यम से स्थापित करता है, जो दर्शाता है कि कैसे प्रशंसा असंभव को संभव बनाने वाले सुदृढ़ीकरण कारक के रूप में कार्य करती है। 2. राजनीतिक जवाबदेही स्त्री सुरक्षा के साथ भूमिका संघर्ष के बीच संतुलन के प्रदर्शन के रूप में न केवल प्रेरणा में, बल्कि एक महान होने की नैतिकता को भगवान राम ने पूरा किया है। जनता के बीच, 14 साल के वनवास से अयोध्या लौटने के बाद माता सीता द्वारा दी गई अग्निपरीक्षा के बारे में एक बड़ी भ्रांति है। अरण्य कांड, दोहा 23 के अंश स्पष्ट रूप से बताते हैं कि अग्नि परीक्षा कोई परीक्षा नहीं थी, बल्कि यह वनवास के दौरान बाहरी खतरों से माता सीता की सुरक्षा के लिए एक सुनियोजित रणनीति थी। पूर्व वनवास काल में एक ऐसा ही प्रसंग घटित हुआ था जो है कि सहमति से, माता सीता ने अग्नि में प्रवेश किया था और बाहरी दुनिया के विश्वास के लिए उनका केवल एक छाया भाग ही बचा था। यहाँ तक कि लक्ष्मण को भी इस विचार से अनजान रखा गया था। अंश इस प्रकार हैः सुनो, मेरे प्रिय, तुम मेरे प्रति निष्ठा के पवित्र व्रत में दृढ़ रहे हो और आचरण में इतने सदाचारी होः मैं एक सुंदर मानवीय भूमिका निभाने जा रहा हूँ। जब तक मैं राक्षसों का विनाश पूरा नहीं कर लेता, तब तक अग्नि में रहो। भगवान राम ने जैसे ही उसे सब कुछ विस्तार से बताया, उसने भगवान के चरणों की छवि अपने हृदय पर अंकित कर ली और अग्नि में प्रवेश कर गई, और भगवान के साथ केवल अपनी एक परछाईं छोड़ गई हालाँकि वह बिल्कुल वैसी ही थी, वैसी ही सौम्य और कोमल स्वभाव। लक्ष्मण को भी यह रहस्य नहीं पता था कि भगवान ने परदे के पीछे क्या किया था।" (रामचरितमानस, अरण्यकांड, दोहा- 23) भगवान राम की शानदार विजय और अयोध्या वापसी के बाद, दूसरी अग्निपरीक्षा - जिसे इस बार स्त्रीत्व और सत्य की पवित्रता सिद्ध करने की परीक्षा के रूप में देखा गया - बुलाई गई। हालाँकि इसे सार्वजनिक रूप से अग्निपरीक्षा कहा जाता है, लेकिन इसे भगवान राम की माँग के प्रभाव से उत्पन्न माँग के रूप में देखा जाता है, लेकिन वास्तव में, जनता को अरण्यकांड के दौरान पहले वाले प्रकरण के बारे में पता नहीं था, जैसा कि ऊपर वर्णित है। जैसा कि लंकाकांड के दोहा 107 और 108 में अग्निपरीक्षा का वर्णन करते हुए कहा गया हैः सीता (यह स्मरण रहेगा) पहले अग्नि में समाहित थीं अब उन्हें वापस प्रकाश में लाने का प्रयास कर रहे थे। (रामचरितमानस, लंका कांड, चौपाई 107) "सीता ने, हालाँकि, भगवान की आज्ञा को नमन किया - वे मन, वचन और कर्म से शुद्ध थीं - और कहा, "लक्ष्मण, इस पवित्र अनुष्ठान को करने में एक पुरोहित के रूप में मेरी सहायता करें और शीघ्र ही मेरे लिए अग्नि प्रज्वलित करें।" जब लक्ष्मण ने सीता के ये शब्द सुने, जो (अपने प्रभु से) वियोग के कारण उत्पन्न पीड़ा से भरे हुए थे और आलोचनात्मक अंतर्दृष्टि, धर्मपरायणता और विवेक से ओतप्रोत थे, उनकी आँखों में आँसू आ गए और उन्होंने प्रार्थना में अपने हाथ जोड़ लिए; लेकिन वे भी भगवान से एक शब्द भी नहीं बोल सके। हालाँकि, श्री राम की मौन स्वीकृति को पढ़कर, लक्ष्मण दौड़े और अग्नि प्रज्वलित करने के बाद बहुत सारी लकड़ियाँ ले आए। विदेह की पुत्री उस धधकती हुई अग्नि को देखकर हृदय से प्रसन्न हुई और बिल्कुल भी विचलित नहीं हुई। "यदि मन, वचन और कर्म से मैंने कभी भी रघुवंश के वीर के अतिरिक्त किसी और पर अपना मन नहीं लगाया है, तो यह अग्नि, जो सभी मनों की क्रियाओं को जानती है, मेरे लिए चन्दन के समान शीतल हो जाए।" (रामचरितमानस, लंकाकाण्ड, दोहा -108) "प्रभु पर ध्यान केंद्रित करते हुए, मिथिला की राजकुमारी ने लपटों में प्रवेश किया जैसे वे चन्दन के समान शीतल हों, और चिल्लाई "कोशल के स्वामी की जय हो, जिनके चरणों की पूजा महान भगवान शिव अत्यंत भक्ति से करते हैं!" उनका छाया-रूप और सामाजिक कलंक (रावण के यहाँ जबरन निवास करने के कारण) दोनों ही धधकती अग्नि में भस्म हो गए, लेकिन भगवान के कार्यों का रहस्य कोई नहीं जान सका। यहाँ तक कि देवता, सिद्ध और ऋषि भी हवा में देखते रह गए।

शिवाजी ने मुगल और बीजापुर सल्तनत की नींव को खोखला कर दिया था

स्वतंत्र पत्रकार

छत्रपति शिवाजी महाराज एक साहसी, कुशल रणनीतिकार और दूरदर्शी शासक के रूप में याद किए जाते हैं, जिन्होंने मराठा पहचान दी। वे मराठा साम्राज्य के संस्थापक थे, जिन्होंने मुगलों और बीजापुर सल्तनत की नींव को खोखला कर दिया। उन्होंने गोरिल्ला युद्ध (छापामार युद्ध) नीति का उपयोग कर मराठा साम्राज्य की स्थापना की। माना जाता है कि गोरिल्ला युद्ध महाराणा प्रताप की खोज थी, उन्होंने मुगल शासक अकबर के खिलाफ छापामार युद्ध अपना कर उनको घुटनों के बल ला दिया था। शिवाजी को उनकी मां जीजाबाई ने न्याय, धर्म और रामायण-महाभारत की कहानियां सुनाकर एक धर्मपरायण योद्धा के रुप में तैयार किया था। समर्थ गुरु रामदास और दादाजी कोणदेव ने भी उनके व्यक्तित्व को निखारने में हरसम्भव कोशिश की। 16 साल की आयु में उन्होंने बीजापुर सल्तनत के खिलाफ युद्ध का बिगुल बजाकर तोरण दुर्ग पर अधिकार जमा लिया। सन 1659 में बीजापुर के सेनापति अफजल खान को कूटनीति से मार गिराया, जो उनकी पहली बड़ी सैन्य सफलता मानी गई। उनका जन्म 19 फरवरी, 1630 को हुआ था। इस कारण उनकी जयंती 19 फरवरी को मनाई जाती है। उन्होंने गुरिल्ला युद्ध, मजबूत नौसेना और कुशल प्रशासन के साथ तोरना, प्रतापगढ़ और रायगढ़ जैसे किले जीतकर एक शक्तिशाली राज्य की स्थापना की थी। 1674 में रायगढ़ में छत्रपति के रूप में राज्याभिषेक के बाद धर्म, न्याय और प्रगतिशील शासन के प्रतीक बन गए, जिन्होंने भारत के इतिहास में वीरता और स्वतंत्रता की मिसाल कायम की। वे एक उत्कृष्ट प्रशासक थे। एक सुदृढ़ प्रशासनिक व्यवस्था की नींव रखीं। शिवाजी का मराठा साम्राज्य महाराष्ट्र से लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु तक फैला हुआ था। प्रशासन को सुदृढ़ करने के लिए, शिवाजी ने जागीर प्रथा को समाप्त कर दिया और अपने अधिकारियों को नकद वेतन देना प्रारंभ किया। जागीरदारी व्यवस्था समाप्त करने के बावजूद उन्होंने विद्यालयों और मंदिरों के लिए भूमि अनुदान देना प्रारंभ किया। उनका प्रशासन एक केंद्रीकृत, सुव्यवस्थित और जनकल्याणकारी माना जाता है, जिसका मुख्य केंद्र 'अष्टप्रधान' (आठ मंत्री) नामक मंत्रिपरिषद थी। उनके शासन की मुख्य विशेषताओं में मलिक अंबर पर आधारित भू-राजस्व प्रणाली (33-40 प्रतिशत कर), चौथ (1/4 रक्षा कर) और

सरदेशमुखी (1/10 कर) वसूली, अनुशासित स्थायी सेना, किलों का विशेष महत्व, नागरिक अधिकारियों की सर्वोच्चता और धार्मिक सहिष्णुता का गुण शामिल था।

छत्रपति के प्रशासन की विशेषताएं- शिवाजी का शासन केन्द्रीयकृत शासन था। उनके पास ही सारी शक्तियाँ निहित थी। उन पर किसी प्रकार का प्रतिबंध अथवा नियंत्रण नहीं था। उनके आदेशों का पालन सभी को करना पड़ता था। उनके पास पदाधिकारियों की नियुक्ति एवं पदच्युति करने का पूर्ण अधिकार था। व्यवहारिक दृष्टिकोण से देखें तो पता चलता है कि अपनी समकालीन तानाशाहों से बिल्कुल भिन्न थे। उन्होंने कभी भी अपने स्वार्थ के लिए आम जनता की उपेक्षा नहीं की और न जनता के अधिकारों का हनन किया। कभी भी सत्ता का दुरूपयोग नहीं किया। हरसंभव तरीके से जनता की उत्थान की चेष्टा की। प्रजा के लिए कल्याण किया और प्रजाहित, प्रजा सुरक्षा, न्याय, नैतिकता और धर्म के लिए उदार भावना थी। प्रशासनिक कार्यों में सलाह के लिए आठ मंत्रियों की एक परिषद का गठन किया, जिसमें पेशवा (प्रधानमंत्री) सर्वोच्च माना जाता था। अन्य मंत्री अमात्य, वकनीस, सचिव, सुमंत, सेनापति, पंडितराव और न्यायाधीश थे। आमात्यः- शिवाजी के अष्टप्रधान में दूसरा मंत्री आमात्य कहलाता था। आमात्य अर्थ विभाग का प्रधान होता था इसे मजूमदार भी कहा जाता था इसका कार्य राज्य के आय-व्यय का ब्योरा और विभिन्न प्रांतों के हिसाब-किताब की जांच पड़ताल करना था। पैदल सेनाः- पैदल सैनिकों में नवपायिकों की सबसे छोटी इकाई होती थी इसका मुख्य नायक कहलाता था। इसका वेतन साधारण होता था पांच नायकों पर एक हवलदार होता था। दो या तीन हवलदार पर एक जुमलदार होता था। जल सेनाः- शिवाजी ने अपने राज्य की रक्षा एवं जंजीरा के विरुद्ध युद्ध करने के लिए एक जल सेना का भी गठन किया था। शिवाजी के पास 400 जहाज थे, इनमें पांच प्रकार के युद्धपोत और कुछ बड़ी-बड़ी नावें भी थीं। अंगरक्षक की सेनाः उनके पास दो हजार चुने हुए अंगरक्षक थे, जो बड़े साहसी एवं वीर होते थे। अंगरक्षक की सेना पर पूरा व्यय राज्य वहन करता था। भू-राजस्व और कृषक कल्याणः-भूमि की पैमाइश (माप) के लिए 'काठी' का उपयोग किया जाता था। उपज का 33 प्रतिशत (बाद में 40 प्रतिशत) कर लिया जाता था। अकाल के समय किसानों को बीज और पशु खरीदने के लिए 'तकावी' (ऋण) देने की व्यवस्था कर रखी थी। सैन्य व्यवस्थाः- उन्होंने एक मजबूत, अनुशासित और स्थायी सेना बनाई। सैनिकों को जागीर के बदले नकद वेतन देना प्रारंभ किया। सेना में 'पागा' (नियमित) और 'सिलहदार' (अस्थायी) दो प्रकार के घुड़सवार थे। शिवाजी ने किलों को सामरिक महत्व का केंद्र मानते हुए प्रत्येक किले में हवलदार, सबनीस और कारखानिस नामक तीन समान रैंक के अधिकारी बनाए, ताकि एक व्यक्ति निरंकुश नहीं हो सकें। प्रशासन का केंद्र बिंदु स्वयं शिवाजी थे। वे सभी धर्मों के प्रति सहिष्णु भी थे और उनकी सेना व प्रशासन में मुस्लिम अधिकारी भी महत्वपूर्ण पदों आसीन थे। न्याय व्यवस्था सरल थी, जिसमें ग्राम पंचायतें स्थानीय विवादों का निपटारा करती थीं और उच्च स्तर पर न्यायधीश व पंडितराव न्याय करते थे। सैनिक अनुशासनः - शिवाजी के शासनकाल में मराठा सैनिक को एकत्रित करते हुए राष्ट्रीय सेना की स्थापना की थी, सैनिक राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत थे। वे अपने देश की रक्षा के लिए सर्वस्व न्योछावर करने के लिए हमेशा तैयार रहते थे।

मेष राशिः आज आपको लोगों का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। आय के नए स्रोत बनेंगे। ऑफिस का काम रोज की तुलना में बेहतर तरीके से होगा। आज जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ करेंगे। शाम को मेहमानों के आने से घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आपको पैतृक संपत्ति मिलने की संभावना है, जिससे आपके धन-संपत्ति में वृद्धि होगी।

वृष राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। बिजनेस के सिलसिले में आपको विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है, जो आपके लिए काफ़ी लाभदायक रहेगी। आपकी खुशियों में इजाफा होगा। ऑफिस में आपको जिम्मेदारी वाला काम मिलने की संभावना है, जिसे पूरा करने पर फायदा होगा। आर्ट्स स्टूडेंट्स के लिए दिन बेहतर रहेगा, ग्राफ़िक डिजाईन कोर्स सीखने का मौका मिलेगा।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज अपने काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे। आज आप संतान के करियर की समस्याओं को किसी अनुभवी और जानकार की मदद से सुलझा लेंगे। विपरीत परिस्थितियों में सूझ-बूझ से काम लेंगे तो, आज किसी समस्या का समाधान अवश्य मिलेगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर एक बार फिर से विचार करें। आज छोटा-बड़ा फैसला लेते वक्त किसी एक्सपर्ट की सलाह से आपको मुनाफा होगा। आज पारिवारिक माहौल व्यवस्थित रखने में आपकी मदद कारगर साबित होगी, परिवार में सभी एक-दूसरे की भावनाओं को समझेंगे।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में कर्मचारियों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखने से उनकी काम करने की क्षमता बेहतर होगी, आज आपका काम समय से पहले पूरा हो सकता है। महिलाएं अपने बिजनेस में ज्यादा एक्टिव रहेंगी, आपको ज्यादा धनलाभ होगा। घर में सुखद और अच्छा माहौल रहेगा, शाम का समय बड़े बुजुर्गों के साथ बिताएंगे।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज प्रैक्टिकल सोच रखेंगे तो आपके संतुलित रवैया से फायदा मिलेगा। आज थोड़ा समय एकांत में या किसी धार्मिक स्थान पर बिताएंगे। आज शाम माता जी से आप भविष्य को लेकर विचार-विमर्श करेंगे। आज आपके मन में तरह-तरह की बाते चलेंगी।

तुला राशिः आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियां लाया है। आप दोस्तों के साथ बाहर घूमने का प्लान बनायेंगे। आप दूसरों पर अपना प्रभाव बनाने में सफल होंगे, आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखने की जरूरत है, नहीं तो आस-पास के लोग आपका विरोध कर सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति ठीक-ठाक रहेगी। आज रुके हुए कार्यों की शुरुआत होगी।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज ऑफिस के सहकर्मी आपके कामों में सहयोग करेंगे, आपका काम जल्दी पूरा हो जायेगा। आज किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जो आने वाले दिनों में आपकी मदद करेगा। आज किसी भी बात पर अपनी प्रतिक्रिया जल्दी न दें, पहले स्थितियों को समझें फिर अपनी राय सोच समझ कर दें इससे लोगों के बीच आपकी अहमियत बढ़ जाएगी।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा। आज पैसों से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने की कोशिश करेंगे। फिलहाल हर एक बात पर ध्यान देकर स्थिति को सुधारने कोशिश करें। आज पुरानी गलती दोबारा न हो, इस बात का ध्यान रखना आपके लिए आवश्यक होगा।

मकर राशिः आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। पारिवारिक कामों को करने में घर के सदस्यों का सहयोग मिलेगा। अपने दोस्तों से निजी समस्याओं को शेयर करने से बचना चाहिए। नये व्यवसाय में पैसा लगाने के बारे में आप सोच सकते हैं, एक्सपर्ट से राय लेना न भूलें।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज किसी करीबी व्यक्ति से चल रही अनबन दूर होगी। जिन बातों में आपकी ज्यादा रुचि है, उन पर ध्यान देंगे आपको ख़ुशी होगी। आज नए लोगों के साथ जुड़ने से आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप अपने एक्सपीरियंस का इस्तेमाल करते हुए आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे।

मीन राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा। आज व्यापार के मामलों में आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे। नए लोगों से मिलना और बातें करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। किसी समस्या का समाधान मिलने से आपको राहत मिलेगी। आज ऑफिस में आपके कामकाज की तारीफ होगी। लवमेट आज डिनर पर जायेंगे, रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी।

छत्रपति शिवाजी की अमर विरासत और आधुनिक भारत की दिशा

ललित गर्ग

19 फरवरी भारत के इतिहास का वह गौरवपूर्ण दिवस है, जब हम छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाते हैं। यह केवल एक जन्मतिथि का स्मरण नहीं, बल्कि भारतीय अस्मिता, स्वाभिमान और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के उस अद्भुत अध्याय का उत्सव है, जिसने पराधीनता के अंधकार में स्वराज्य का दीप प्रज्वलित किया। सत्रहवीं शताब्दी में जब भारत का बड़ा भूभाग मुगल सत्ता, विशेषतः औरंगजेब के कठोर शासन के अधीन था, तब सह्याद्रि की पर्वतमालाओं से एक युवा योद्धा ने यह उद्घोष किया कि "हिंदवी स्वराज्य" केवल स्वप्न नहीं, बल्कि संकल्प है-और उस संकल्प को साकार कर दिखाया। शिवाजी महाराज का जन्म 1630 में शिवनेरी दुर्ग पर हुआ। उनका नाम भगवान शिव पर नहीं, बल्कि देवी शिवई के नाम पर रखा गया-यह तथ्य ही बताता है कि उनके जीवन की प्रेरणा शक्ति और साहस की आराधना में निहित थी। उनकी माता जीजाबाई ने उन्हें रामायण, महाभारत और पुराणों की कथाओं के माध्यम से धर्म, नीति और राष्ट्रधर्म का संस्कार दिया। दादाजी कोंडदेव के मार्गदर्शन में उन्होंने शास्त्र और शस्त्र दोनों का संतुलित ज्ञान प्राप्त किया। यही संतुलन आगे चलकर उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता बना-वे केवल तलवार के धनी नहीं, बल्कि नीति और दूरदर्शिता के भी अद्वितीय उदाहरण थे। शिवाजी महाराज का सबसे बड़ा योगदान हिंदू साम्राज्य की स्थापना है, जिसे उन्होंने "हिंदवी स्वराज्य" कहा। यह किसी एक संप्रदाय का राज्य नहीं था, बल्कि भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता और सम्मान का प्रतीक था। उन्होंने छोटे-छोटे किलों से शुरुआत कर एक संगठित मराठा शक्ति का निर्माण किया। तोरणा, रायगढ़, प्रतापगढ़ जैसे दुर्ग केवल पत्थरों की संरचनाएँ नहीं थे, बल्कि स्वराज्य के प्रहरी थे। गुरिल्ला युद्धकला में उनकी दक्षता अद्भुत थी। मुगल सेनापति उन्हें "पहाड़ी चूहा" कहकर उपहास करना चाहते थे, परंतु वही रणनीति मुगलों की सबसे बड़ी कमजोरी बन गई। वे भूगोल को अपनी शक्ति में बदलने की कला जानते थे-तेजी से आक्रमण, अचानक प्रहार और सुरक्षित वापसी उनकी युद्धनीति का आधार था। उनकी वीरता का शिखर तब दिखाई देता है जब उन्होंने औरंगजेब की विशाल साम्राज्यवादी शक्ति को खुली चुनौती दी। आगरा में बंदी बनाए जाने के बाद उनका साहसिक पलायन केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि मुगल सत्ता के अहंकार पर करारा प्रहार था। इसके पश्चात उन्होंने 1674 में रायगढ़ में विधिवत राज्याभिषेक कर स्वयं को "छत्रपति" घोषित किया। यह घटना केवल राजनीतिक नहीं, सांस्कृतिक पुनर्स्थापन का भी प्रतीक थी- सदियों बाद किसी हिंदू राजा का वैदिक विधि से राज्याभिषेक हुआ था। शिवाजी महाराज की शासन व्यवस्था भी उतनी ही प्रभावशाली थी जितनी उनकी युद्धनीति। उन्होंने अष्टप्रधान मंडल की स्थापना की, जिसमें विभिन्न विभागों के मंत्री नियुक्त थे। प्रशासन में पारदर्शिता, न्याय और जनकल्याण को प्राथमिकता दी गई। भूमि राजस्व व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया गया ताकि किसानों पर अत्याचार न हो। महिलाओं के सम्मान की रक्षा उनके शासन का मूल सिद्धांत था-युद्ध में पकड़ी गई महिलाओं को सम्मानपूर्वक उनके घर भेजने की परंपरा उन्होंने स्थापित की। धार्मिक सहिष्णुता उनके शासन की आधारशिला थी, उनकी सेना और प्रशासन में मुस्लिम अधिकारी भी महत्वपूर्ण पदों पर थे। उन्होंने किसी भी मस्जिद या पूजा स्थल को क्षति पहुँचाने की अनुमति नहीं दी। इस प्रकार उनका हिंदू स्वराज्य संकीर्ण नहीं, बल्कि उदार और समावेशी था। शिवाजी महाराज भारत के उन शुरुआती शासकों में थे जिन्होंने समुद्री शक्ति के महत्व को समझा। उन्होंने एक सशक्त नौसेना का निर्माण किया और कोंकण तट की सुरक्षा सुनिश्चित की। विदेशी आक्रमणकारियों- विशेषतः पुर्तगालियों और सिद्धियोंकृके विरुद्ध यह रणनीति अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुई। यह दूरदर्शिता दर्शाती है कि वे केवल तत्कालीन संघर्षों तक सीमित नहीं थे, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को भी भांपने की क्षमता रखते थे। भारतीय संस्कृति और अस्मिता के लिए उनका त्याग अतुलनीय है। उन्होंने विलासिता का जीवन त्यागकर कठिन संघर्ष का मार्ग चुना। निरंतर युद्ध, षड्यंत्र और चुनौतियों के बीच भी उन्होंने राष्ट्रधर्म को सर्वोपरि रखा। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि स्वराज्य केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्वाभिमान का भी प्रश्न है। उन्होंने जनमानस में यह विश्वास जगाया कि विदेशी सत्ता अजेय नहीं है और संगठित प्रयास से स्वतंत्रता प्राप्त की जा सकती है।

आधुनिक संदर्भ में यदि हम इस विरासत को देखें, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आज के भारत में शिवाजी के आदर्श कितने प्रासंगिक हैं। वर्तमान समय में जब भारत वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका सुदृढ़ कर रहा है, तब राष्ट्रीय सुरक्षा, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सुशासन की अवधारणाएँ पुनः केंद्र में हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आत्मनिर्भरता, सशक्त रक्षा नीति और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण पर विशेष बल दिया है। यहाँ तुलनात्मक विवेचना की जा सकती है, यद्यपि दोनों युगों की परिस्थितियाँ भिन्न हैं। शिवाजी महाराज ने स्वदेशी सैन्य शक्ति पर भरोसा किया और स्थानीय संसाधनों के माध्यम से साम्राज्य खड़ा किया। आधुनिक भारत में आत्मनिर्भर भारत अभियान उसी भावना का आधुनिक रूप प्रतीत होता है, जहाँ रक्षा उत्पादन और आर्थिक सशक्तिकरण पर बल दिया जा रहा है। शिवाजी ने किलों और नौसेना के माध्यम से सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की, आज भारत आधुनिक तकनीक और रणनीतिक साझेदारियों के माध्यम से अपनी सीमाओं को सुरक्षित रखने का प्रयास कर रहा है। शिवाजी का प्रशासन जनकल्याण और पारदर्शिता पर आधारित थाय समकालीन शासन में डिजिटल पारदर्शिता, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और भ्रष्टाचार-नियंत्रण की पहलें उसी आदर्श की झलक देती हैं। सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दृष्टि से भी समानता देखी जा सकती है। शिवाजी महाराज ने हिंदू परंपराओं और प्रतीकों को पुनर्स्थापित कर जनमानस में आत्मगौरव जगाया। आज भी भारत में सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, तीर्थस्थलों के विकास और ऐतिहासिक विरासत के पुनरोद्धार पर बल दिया जा रहा है। अंतर केवल इतना है कि शिवाजी का संघर्ष प्रत्यक्ष सैन्य टकराव का था, जबकि आधुनिक भारत का संघर्ष वैश्विक प्रतिस्पर्धा और कूटनीतिक संतुलन का है। फिर भी, तुलनात्मक विवेचना करते समय यह स्मरण रखना चाहिए कि शिवाजी महाराज का युग पूर्णतः भिन्न राजनीतिक-सामाजिक परिस्थितियों में था।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत ख़बरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

अभिषेक जल्दबाजी में शॉट न खेलें : गावस्कर

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने खराब फार्म से जूझ रहे आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को सलाह दी है कि वह वह पहले विकेट पर समय बिताये और उसके बाद ही एक-एक रन बनाने के बाद अपना स्वाभाविक खेल खेलें। महान बल्लेबाज गावस्कर के अनुसार उन्हें पहले वाली लय हासिल करने के लिए मूल बातों पर लौटना होगा। गावस्कर ने कहा कि पारी की शुरुआत में जल्दबाजी में विकेट गंवाने से बचें। उन्होंने कहा कि आक्रामक शॉट खेलने से पहले केवल एक-एक रन लें जिससे शरीर और दिमाग दोनों मैच के अनुसार ढ़ल सके। गावस्कर के मुताबिक, पहले एक एक रन लो, फिर अपने अनुसार खेलो क्योंकि जब तक आप रन बोर्ड पर नहीं लगाते, आत्मविश्वास पूरी तरह नहीं आता। उन्होंने यह भी कहा कि अच्छे फॉर्म को हल्के में नहीं लेना चाहिए, क्योंकि कई बल्लेबाज़ शानदार फॉर्म के बाद जरूरत से ज्यादा आक्रामक होने के कारण भी विफल होते हैं। गावस्कर के अनुसार बड़े मुकाबलों में मानसिक मजबूती भी बड़ी चुनौती बन जाती है। बड़े मंच पर अधिक दबाव में भी खिलाड़ी गलती कर देते हैं। गौरतलब है कि अभिषेक ने पिछले साल काफी अच्छा प्रदर्शन किया था।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में उन्होंने शानदार शतक लगाया था। उसके बाद से ही उसने विश्वकप में बड़ी पारियों की उम्मीद की जा रही थी पर टूर्नामेंट की शुरुआत में वह लगातार दो मैचों में खाता भी नहीं खोल पाये है पर आउट हो गए। पहले मुकाबले में वह बिना खाता खोले ही पेवेलियन लौट गये। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ भी रन नहीं बना पाये। अभिषेक के खराब प्रदर्शन का कारण उनकी तबियत भी रही है। पिछले दिनों पेट की समस्या के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा और वह नामीबिया के खिलाफ मैच नहीं खेल पाए थे। इसके बाद अव पाकिस्तान के खिलाफ उतरे पर असफल रहे।

टी-20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका ने यूएई को हराया, ग्रुप डी में जीते अपने चारों मैच

एजेंसी, नई दिल्ली

आईसीसी टी-20 विश्व कप 2026 में दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप डी में अपना विजय अभियान जारी रखते हुए यूएई को छह विकेट से हराया। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप चरण के चारों मुकाबले जीतकर अपराजित रहते हुए सुपर आठ में प्रवेश किया। यहां अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मैच में बारिश की आशंका के बीच पहले बल्लेबाजी करते हुए यूएई ने आक्रामक शुरुआत की। मुहम्मद वसीम ने कगिसो रबाडा के एक ओवर में लगातार तीन चौके जड़ दिए। हालांकि जॉर्ज लिंडे के आक्रमण में आते ही रनगति पर अंकुश लग गया।इसके बाद कॉर्बिन बॉश ने अतिरिक्त उछाल का फायदा उठाते हुए आर्यांश शर्मा और सोहैब खान को पवेलियन भेजा। एनरिक नॉर्टजे और क्वेना मफाका की तेज गेंदों ने भी यूएई बल्लेबाजों को परेशान किया। यूएई के लिए अलीशन शराफू ने संघर्षपूर्ण 45 रन बनाए, लेकिन टीम 20 ओवर में 122/6 तक ही पहुंच सकी। बारिश के कारण दक्षिण अफ्रीका की पारी में थोड़ी देरी हुई। लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान एडेन मार्करम और क्विंटन डी कॉक को स्पिन गेंदबाजों ने शुरुआत में रोके रखा। हालांकि मार्करम ने एक ओवर में 18 रन बटोरकर दबाव कम किया, लेकिन उसी ओवर की आखिरी गेंद पर बोल्ड हो गए। रयान रिकेल्टन और डेवाल्ड ब्रेविस ने तेज बल्लेबाजी कर रनगति बनाए रखी। ब्रेविस ने 36 और रिकेल्टन ने 30 रन बनाए। अंत में ट्रिस्टन स्टब्स और जेसन स्मिथ ने 13.2 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। कॉर्बिन बॉश ने 3 विकेट लेकर टी20 करियर के 100 विकेट पूरे किए और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। उन्होंने कहा कि शुरुआती ओवरों में गेंद में हल्की हरकत थी और गेंदबाजों के बीच शानदार तालमेल देखने को मिला। सुबह हुई बारिश ने भी पिच को थोड़ी मदद पहुंचाई। दक्षिण अफ्रीका अब सुपर आठ के ग्रुप 1 में 22 फरवरी को अहमदाबाद में भारत से भिड़ेगा।

संक्षिप्त स्कोरः

यूएई 122/6 (अलीशन शराफू 45, मुहम्मद वसीम 22; कॉर्बिन बॉश 3/12, एनरिक नॉर्टजे 2/28)।

दक्षिण अफ्रीका 123/4 (डेवाल्ड ब्रेविस 36, रयान रिकेल्टन 30) – 13.2 ओवर में जीत।

रणजी ट्रॉफीः जम्मू-कश्मीर पहली बार फाइनल में, बंगाल को हराकर रचा इतिहास

एजेंसी, नई दिल्ली

रणजी ट्रॉफी के इतिहास में नया अध्याय जुड़ गया है। जम्मू और कश्मीर ने बुधवार को सेमीफ़ाइनल में बंगाल को छह विकेट से हराकर पहली बार खिताबी मुकाबले में जगह बना ली। यह मुकाबला कल्याणी स्थित बंगाल क्रिकेट अकादमी मैदान पर खेला गया। मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बंगाल की टीम पहली पारी में 328 रन पर सिमट गई थी, जिसके जवाब में जम्मू कश्मीर की टीम 302 रनों पर ऑल आउट हो गई। पहली पारी के आधार पर बंगाल को 26 रन की बढ़त मिली। हालांकि दूसरी पारी में बंगाल की बल्लेबाजी पूरी तरह से विफल रही और केवल 99 रनों पर ही सिमट गई।

आकिब नबी का हरफनमौला कमाल- जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक जीत के नायक रहे आकिब नबी। उन्होंने मैच में कुल नौ विकेट लिए और पहली पारी में 54 गेंदों पर 42 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। दूसरी पारी में बंगाल की टीम मात्र 99 रन पर सिमट गई। नबी और सुनील कुमार ने चार-चार विकेट लेकर विपक्ष को पूरी तरह दबाव में ला दिया। बंगाल द्वारा दिए गए 126 रनों के साधारण लक्ष्य का पीछा करते हुए जम्मू-कश्मीर ने संयमित बल्लेबाजी की।

वंशज शर्मा ने लगाया विजयी छक्का- लक्ष्य का पीछा करते हुए वंशज शर्मा ने धैर्य के साथ नाबाद 43 रन बनाए। उन्होंने मुकेश कुमार की गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। वहीं अब्दुल समद ने 27 गेंदों पर 30 रन बनाकर अहम योगदान दिया।

पूरे सत्र में नबी का जलवा- आकिब नबी इस सत्र में जम्मू-कश्मीर की सफलता के केंद्र में रहे हैं। क्वार्टर फ़ाइनल में मध्य प्रदेश के खिलाफ भी उन्होंने 110 रन देकर 12 विकेट झटके थे, जिसमें पहली पारी में 7 विकेट पर 40 रन और दूसरी पारी में 5 विकेट पर 70 रन का प्रदर्शन शामिल था। उस मुकाबले में जम्मू-कश्मीर ने 56 रनों से जीत दर्ज की थी। अब खिताबी मुकाबले में जम्मू-कश्मीर का सामना संभावित रूप से कर्नाटक से हो सकता है, जो दूसरे सेमीफ़ाइनल में उत्तराखंड के खिलाफ पहली पारी में बढ़त लेने की स्थिति में है। जम्मू-कश्मीर की यह उपलब्धि राज्य के क्रिकेट इतिहास में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर मानी जा रही है।

गंभीर को बड़ी जिम्मेदारी देना चाहता है रॉयल्स

एजेंसी, मुम्बई

आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स 2026 सत्र में गौतम गंभीर को बड़ी जिम्मेदारी देना चाहत है। एक रिपोर्ट के अनुसार गंभीर को रायल्स सीईओ, पार्टनर और मेंटॉर बनाना चाहती है पर गंभीर इससे स्कीकार करेंगे। इसकी संभावनाएं काफी कम हैं। गंभीर अभी भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच हैं और वे इसके लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। ऐसे में वह कोच पद छोड़ेंगे। इसकी उम्मीद नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार रॉयल्स का नया प्रबंधन गंभीर को अपने साथ जोड़ना चाहता है। इसका कारण है कि टीम का प्रदर्शन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा है और प्रबंधन को उम्मीद है कि गंभीर उसमें बदलाव ला सकते हैं। उनके कोच रहते ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने खिताब जीता था। रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान रॉयल्स के ज्यादातर शेयर धारक अपनी हिस्सेदारी नए मालिकान को बेच रहे हैं। डील हस्तांतरण के स्तर पर है। रिपोर्ट के मुताबिक फ्रेंचाइजी के 3 नए मालिकों में से एक ने गंभीर से संपर्क किया है। उन्हें फ्रेंचाइजी में हिस्सेदारी के साथ-साथ सीईओ और मेंटॉर बनाए जाने की पेशकश की गयी है। गंभीर को इस पेशकश को स्वीकार करने के लिए भारतीय टीम का कोच पद छोड़ना पड़ेगा। मुख्य कोच के तौर पर गंभीर का कार्यकाल 2027 के एकदिवसीय विश्वकप तक है। उनके कार्यकाल में टीम इंडिया का टेस्ट में प्रदर्शन औसत से भी नीचे रहा है। हालांकि वाइट बॉल क्रिकेट में टीम के प्रदर्शन में गिरावट नहीं आई है। टेस्ट में खराब प्रदर्शन के चलते अक्सर रेड बॉल क्रिकेट के लिए नए कोच की मांग उठती रही है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई भारतीय महिला फुटबॉल टीम पर्थ में दो मैत्री मैच खेलेगी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में दो मैत्री मैच खेलेगी। भारतीय टीम 19 फरवरी को पर्थ रेडस्टार फुटबॉल क्लब और 23 फरवरी को पर्थ अज़्ज़ुरी फुटबॉल क्लब के खिलाफ मैदान में उतरेगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अनुसार तुर्किये में प्रशिक्षण शिविर समाप्त करने के बाद भारतीय महिला टीम 11 फरवरी को पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया पहुंचीं।

मैच कार्यक्रम

- 19 फरवरी, दोपहर 2 बजकर 30 मिनट (भारतीय समयानुसार) – भारत बनाम पर्थ रेडस्टार फुटबॉल क्लब, डालमाटिनैक पार्क, पर्थ
- 23 फरवरी, शाम 4 बजे (भारतीय समयानुसार) – भारत बनाम पर्थ अज़्ज़ुरी फुटबॉल क्लब, मैसेडोनिया पार्क, पर्थ

दोनों मुकाबले बंद दरवाजों के पीछे, बिना दर्शकों की उपस्थिति में खेले जाएंगे।

तुर्किये दौरे का प्रदर्शन- भारत ने तुर्किये दौरे के दौरान यूक्रेन, रूस, स्विट्जरलैंड, जर्मनी और रोमानिया के क्लबों के खिलाफ कुल छह अभ्यास मुकाबले खेले, जिनमें तीन में जीत, एक मुकाबला बराबरी पर और दो में हार का सामना करना पड़ा।

हालिया मुकाबले में भारतीय टीम को रोमानिया के क्लब एफके चिकसेरेडा मिएरकुरिया चिउक फुटबॉल क्लब के खिलाफ 0-1 से पराजय झेलनी पड़ी। इससे पहले भारतीय टीम ने रूस के क्लब ज़्वेज्दा-2005 पर्म फुटबॉल क्लब को 2-0 से हराया था।

भारतीय टीम ने जर्मनी के क्लब हर्था बीएससी महिला फुटबॉल टीम को भी 1-0 से मात दी थी।

ऑस्ट्रेलिया में होने वाले ये दोनों अभ्यास मुकाबले एशियाई महिला फुटबॉल कप से पहले भारतीय टीम के लिए महत्वपूर्ण तैयारी साबित होंगे।

व्यापार

नई नोवा फुल-फेस हेलमेट सीरीज पेश

नई दिल्ली। वाहन चालकों की सुरक्षा के मददेनजर एसएमके हेलमेट्स ने अपनी नई नोवा फुल-फेस हेलमेट सीरीज पेश की है। कंपनी ने इसे किफायती कीमत पर उपलब्ध कराया है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग सेफ्टी को प्राथमिकता दे सकें। नोवा सीरीज दो वेरिएंट सॉलिड और ट्रैक में लॉन्च की गई है। सॉलिड मॉडल की शुरुआती कीमत 4,000 रुपये और ट्रैक वेरिएंट 4,300 रुपये से शुरू होता है। एक्सएस से एक्सएक्सएल तक के साइज में उपलब्ध ये हेलमेट देशभर के अधिकृत डीलर्स और एक्सेसरी स्टोर्स पर ग्लॉस और मैट फिनिश में खरीदे जा सकते हैं। हेलमेट को एनर्जी इम्पैक्ट रेसिस्टेंट थर्मोप्लास्टिक शेल से बनाया गया है, जो दुर्घटना के समय सिर को मजबूत सुरक्षा प्रदान करता है। मल्टी-डेंसिटी ईपीएस लाइनर झटकों को अवशोषित करने में मदद करता है। यह हेलमेट ईसीई 22.06, डीओटी और आईएसआई जैसे अंतरराष्ट्रीय व भारतीय सुरक्षा मानकों पर खरा उतरता है। वाइजर ऑप्टिकली करेक्ट और स्क्रैच-रेसिस्टेंट है, साथ ही फॉगिंग रोकने के लिए पिनलॉक 30 इंसर्ट दिया गया है। क्विक-रिलीज वाइजर सिस्टम और बेहतर वेंटिलेशन राइडिंग अनुभव को आरामदायक बनाते हैं। ब्रीदेबल, हाइपोएलर्जेनिक और वॉशेबल इंटीरियर इसे और सुविधाजनक बनाता है। भारत में आईएसआई मार्क वाला हेलमेट पहनना अनिवार्य है।

निसान ने भारत में लॉन्च की ऑल-न्यू ग्रेवाइट, शुरुआती कीमत 5.65 लाख रुपये

नई दिल्ली। जापान की वाहन विनिर्माता कंपनी निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने मंगलवार को भारत में अपनी नई कार 'ग्रैवाइट' लॉन्च की। इसकी शुरुआती कीमत 5.65 लाख रुपये से 8.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा कि ऑल-न्यू निसान ग्रेवाइट भारतीय परिवारों की विविधता, व्यापकता एवं महत्वाकांक्षाओं से प्रेरित है। कंपनी 2026 में ब्रांड के पुनरुत्थान के लिए कई नए वहान पेश करने और बिक्री ढांचे को मजबूत करने की तैयारी में है।कंपनी फिलहाल देश में केवल एक मॉडल 'मैग्नाइट' बेचती है। सौरभ वत्स ने बताया कि कंपनी ने अपना दूसरा मॉडल सात सीट वाली कार 'ग्रैवाइट' पेश की है। 'ग्रैवाइट' की (एक्स शोरूम) कीमत 5.65 लाख रुपये से 8.49 लाख रुपये के बीच है। उन्होंने कहा कि करीब 12 महीनों के भीतर हम तीन नए वाहन पेश करने जा रहे हैं। इसलिए यह पुनरुत्थान का वर्ष होगा, जो मुख्य रूप से स्पोर्ट यूटिलिटी वाहनों पर आधारित उत्पाद श्रृंखला पर टिका होगा। वत्स ने बताया कि 'मैग्नाइट' देश में कंपनी के उत्पाद खंड में अहम भूमिका निभाती रहेगी। उन्होंने कहा कि कंपनी की योजना वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक बिक्री केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 250 करने की है। फिलहाल देशभर में कंपनी के लगभग 160 डीलर हैं। वत्स ने कहा कि भविष्य में निर्यात हमारे बुनियादी एवं मजबूत स्तंभों में से एक बना रहेगा...वित्त वर्ष 2026-27 में हम भारत से एक लाख इकाई निर्यात का आंकड़ा पार कर जाएंगे। उन्होंने बताया कि 'ग्रैवाइट' के अलावा कंपनी इस वर्ष के दौरान एक 'टेकटन स्पोर्ट' यूटिलिटी वाहन और सात सीट वाले मध्यम श्रेणी का स्पोर्ट यूटिलिटी वाहन भी लाने की योजना बना रही है।

प्रल्हाद जोशी ने कहा-देश की गैर जीवाश्म बिजली क्षमता 272 गीगावाट के पार

- भारत-ब्रिटेन ने विजन 2035 के तहत अपतटीय पवन कार्यबल का शुभारंभ किया

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बुधवार को कहा कि भारत की गैर-जीवाश्म आधारित विद्युत उत्पादन क्षमता 272 गीगावाट से ज्यादा हो गई है, जिसमें 141 गीगावाट सौर तथा 55 गीगावाट पवन ऊर्जा शामिल है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के मुताबिक भारत और ब्रिटेन ने आज भारत-यूके अपतटीय पवन कार्यबल लॉन्च किया, जिसका मकसद विजन 2035 के तहत अपनी बड़ी स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी के हिस्से के तौर पर अपतटीय पवन विकास में सहयोग को तेज करना है। इस अवसर पर ब्रिटेन के उप प्रधानमंत्री डेविड लैमी और भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरून भी मौजूद थीं। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने भारत-ब्रिटेन अपतटीय पवन ऊर्जा कार्यबल की शुरुआत के मौके पर यह जानकारी दी। इस अवसर पर प्रल्हाद जोशी ने कहा कि अपतटीय पवन ऊर्जा देश के स्वच्छ, आत्मनिर्भर ऊर्जा भविष्य का मजबूत स्तंभ बन सकती है। कार्यबल की औपचारिक शुरुआत के मौके पर जोशी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 35 गीगावाट से अधिक सौर तथा 4.61 गीगावाट पवन क्षमता जोड़ी है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भारत ने अपनी कुल स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म स्रोतों से हासिल किया। यह उपलब्धिक निर्धारित लक्ष्य से पांच वर्ष पहले हासिल

की गई। उन्होंने कहा कि ये आंकड़े स्पष्ट नीति, संस्थागत समन्वय तथा निवेशकों और उद्योग के भरोसे को दर्शाते हैं। यह उपलब्धि वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा तथा 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। मंत्री ने कहा कि आज भारत की स्थापित गैर-जीवाश्म क्षमता 272 गीगावाट से अधिक है जिसमें सौर से 141 गीगावाट और पवन से 55 गीगावाट है...। हमारी व्यापकता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत दो साल से कम समय में करीब 30 लाख परिवारों को 'रूफटॉप सोलर' की सुविधा मिली। इसके अलावा प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान योजना के तहत 21 लाख पंपों का सौरकरण किया गया है।

शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ बंद, सेंसेक्स 283 अंक उछला

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक रुझान के बीच हफ्ते के तीसरे दिन बुधवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 283.29 अंक यानी 0.34 फीसदी उछल कर 83,734.25 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला निफ्टी 93.95 अंक यानी 0.37 फीसदी की बढ़कर 25,819.35 पर बंद हुआ। कारोबार के अंत में बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बढ़कर 471.89 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में 470.11 लाख करोड़ रुपये रहा था। इस तरह बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का मार्केट कैप करीब 1.78 लाख करोड़ रुपये बढ़ा है, जिससे निवेशकों की संपत्ति में लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 शेयरों में बढ़त रही। वहीं, निफ्टी के 50 शेयरों में से 31 शेयरों में बढ़त रही। इसमें शामिल टाटा स्टील के शेयरों में 2.90 फीसदी की सबसे ज्यादा की तेजी रही। इसके अलावा आईटीसी, एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 1.18 फीसदी से लेकर 2.21 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि, आज कारोबार में मेटल, बैंकिंग और एफएमसीजी शेयर्स में बढ़त रही। वहीं, आईटी शेयर्स में गिरावट रही। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले मंगलवार को बीएसई का सेंसेक्स 173.81 अंक यानी 0.21 फीसदी उछल कर 83,450.96 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी 42.65 अंक यानी 0.17 फीसदी चढ़कर 25,725.40 के स्तर पर बंद हुआ था।

कारों में फिजिकल स्विच को अनिवार्य बनाएगा चाइना

नई दिल्ली। कारों के लिए चाइनीज सरकार अब महत्वपूर्ण सेफ्टी फंक्शन्स के लिए फिजिकल स्विच को अनिवार्य बनाने की तैयारी कर रही है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक यह कदम ड्राइवर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। हाल के वर्षों में टेस्ला, बीवायडी और शाओमी जैसी कंपनियों ने क्लीन, मिनिमलिस्ट और स्क्रीन-डॉमिनेटेड केबिन पेश किए हैं, जिनमें फिजिकल कंट्रोल्स बेहद कम होते हैं। कई मॉडल्स में तो इमर्जेंसी में इस्तेमाल होने वाला हैजर्ड लाइट बटन भी टचस्क्रीन पर दिया जा रहा है, जिससे सॉफ्टवेयर-आधारित सिस्टम पर निर्भरता काफी बढ़ गई है। यह प्रवृत्ति ड्राइविंग के दौरान ध्यान भटकने और दुर्घटनाओं की संभावनाओं को बढ़ाती है।

प्रस्तावित नियमों के अनुसार चीन का उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय अब टर्न सिग्नल, हैजर्ड लाइट, गियर सेलेक्टर और इमर्जेंसी कॉलिंग जैसे फीचर्स के लिए अनिवार्य रूप से अलग और कम से कम 10 मिमी गुणा 10 मिमी आकार वाले फिजिकल बटन्स रखने को बाध्य करेगा। इससे कार निर्माताओं को अपने मॉडल्स का इंटीरियर फिर से डिजाइन करना होगा और टचस्क्रीन कंट्रोल्स को हटा कर पारंपरिक बटन वापिस जोड़ने पड़ेंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि ड्राइविंग के दौरान टचस्क्रीन का उपयोग ड्राइवर के रिएक्शन टाइम को बढ़ा देता है, जो हाई-स्पीड ड्राइविंग में खतरनाक साबित होता है। सड़क से पलभर के लिए नजर हटाने से भी लेन में बने रहने की क्षमता प्रभावित होती है और स्टेबिलिटी कम होती है। अगर स्क्रीन धीमी चले या हैंग हो जाए, तो स्थिति और अधिक खतरनाक हो सकती है। इन्हीं जोखिमों को देखते हुए चीन में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। सरकार चाहती है कि तकनीक का उपयोग बढ़े, लेकिन ड्राइवर और यात्रियों की सुरक्षा किसी भी कीमत पर कम न हो। नए नियम लागू होने पर गाड़ियों में दोबारा से फिजिकल कंट्रोल्स का दौर लौटता दिख सकता है, जिससे ड्राइविंग और यात्राएं अधिक सुरक्षित बन सकेंगी।

चांदी आज 4 हजार बढ़कर 2.37 लाख पर पहुंचीःसोना 291 सस्ता होकर 1.52 लाख हुआ

नई दिल्ली। चांदी की कीमत में आज यानी 18 फरवरी को बढ़त और सोने की कीमत में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, एक किलो चांदी 3,834 रुपए बढ़कर 2.37 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले कल ये 2.33 लाख रुपए पर थी। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 291 रुपए सस्ता होकर 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है। सर्राफा बाजार में 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

2025 में 57 हजार रुपए महंगा हुआ था सोना- 2025 में सोना 57 हजार (75%) बढ़ा है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76 हजार का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1.33 लाख रुपए हो गया।

चांदी इस दौरान 1.44 लाख (167%) बढ़ी। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी 86 हजार की थी, जो साल के आखिरी दिन 2.30 लाख प्रति किलो हो गई।

सर्राफाः सोना-चांदी 6 माह में कम से कम 10% और सस्ते हो सकते हैं- इक्विनॉमिक्स रिसर्च के फाउंडर और एमडी जी. चोक्कालिंगम ने कहा कि सोने-चांदी के साथ ही कॉपर जैसे इंडस्ट्रियल मेटल्स अत्यधिक अस्थिर रहेंगे। अगले 6 महीनों में इनके दाम कम से कम 10% और घट सकते हैं। वैश्विक आर्थिक विकास में मंदी, क्रिप्टोकरेंसी और टेक्नोलॉजी शेयरों में भारी गिरावट जैसे जोखिम कमोडिटी की कीमतों पर असर डाल सकते हैं।

सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यानः-

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदेंः हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

2. कीमत क्रॉस चेक करेंः सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें।

मास महाराजा रवि तेजा इरुमुदी से कावेरी के रूप में प्रिया भवानी शंकर का फर्स्ट लुक रिलीज़

रवि तेजा की 77वीं फिल्म, इरुमुडी, डायरेक्टर शिवा निर्वाण के साथ अपने नए कोलेबोरेशन से काफी एक्साइटमेंट पैदा कर रही है। यह फिल्म मैथरी मूवी मेकर्स के सपोर्ट में है और रवि तेजा के करियर में एक नया माइलस्टोन है। महा शिवरात्रि पर, मेकर्स ने लीड एक्ट्रेस प्रिया भवानी शंकर का कावेरी के रोल में फर्स्ट लुक रिलीज़ किया, जिसमें एक दिल को छू लेने वाली गांव की लव स्टोरी दिखाई गई है। पोस्टर में रवि तेजा रफ एंड टफ, रस्टिक लुक में हैं, प्यार से प्रिया के गाल पर किस कर रहे हैं, जबकि वह ट्रेडिशनल मैरून साड़ी में खुशी से झूम रही हैं। मिट्टी के रंग और हल्की लाइटिंग एक सिंपल, प्यारी सी लव स्टोरी दिखाती है। प्रिया भवानी शंकर, एक टैलेंटेड एक्ट्रेस, कल्याणम कमनीयम और भीमा में अपने डेब्यू के बाद, इस फिल्म से तेलुगु सिनेमा में अपनी पहचान बना रही हैं। इरुमुडी में टैलेंटेड कास्ट है, जिसमें रवि तेजा की बेटी के रोल में बेबी नक्षत्रा, साई कुमार, अजय घोष, रमेश इंदिरा और स्वासिका शामिल हैं। फिल्म

की टेक्निकल टीम में म्यूजिक कंपोजर के तौर पर जीवी प्रकाश कुमार, सिनेमैटोग्राफर के तौर पर विष्णु सरमा और प्रोडक्शन डिजाइनर के तौर पर साही सुरेश शामिल हैं। कहानी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग शिव निर्वाण ने लिखे हैं, और नरेश बाबू पी स्क्रिप्ट का काम कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग अभी तेजी से हो रही है, और प्रोडक्शन आसानी से आगे बढ़ रहा है।

माइथो-एक्शन फिल्म नागबंधम का बहुप्रतीक्षित टीजर रिलीज, विराट कर्णा का शिव अवतार बना सबसे बड़ी हाईलाइट

महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर, अभिषेक नामा के डायरेक्शन में बनी माइथो-एक्शन फिल्म नागबंधम का बहुप्रतीक्षित टीजर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म में विराट कर्णा लीड रोल में हैं। प्रोड्यूसर किशोर अन्नापुरेड्डी और निशिता नागिरेड्डी ने इस फिल्म को एक बहुत बड़े स्केल पर तैयार किया है, जिसमें वर्ल्ड-क्लास प्रोडक्शन वैल्यू साफ़ नज़र आ रही है। फैंस की एक्साइटमेंट तब सातवें आसमान पर पहुंच गई जब सुपरस्टार महेश बाबू ने खुद इस टीज़र को लॉन्च किया, जिससे पूरे देश में इस फिल्म को लेकर चर्चा तेज़ हो गई है। हिमालय की रहस्यमयी वादियों के बैकड्रॉप पर सेट यह टीज़र एक ऐसी दुनिया का दरवाज़ा खोलता है, जहां समय से भी पुराना एक गहरा राज़ दफन है। जब एक इंसान का लालच इस ब्रह्मांडीय सच को उजागर करने की कोशिश करता है, तब नियति खुद अपने योद्धा को चुनती है। नागबंधम की कहानी अब्दाली के ऐतिहासिक अफगान आक्रमण से प्रेरित है, जिसमें माइथोलॉजी, इतिहास और आध्यात्मिक युद्ध का अनोखा मेल देखने को मिलता है। यह लड़ाई सांस्कृतिक विरोध और दैवीय सुरक्षा के बीच के टकराव को दिखाती है। इस महागाथा के केंद्र में है पवित्र नागबंधम मंदिर, एक ऐसा गुप्त मंदिर जिसकी रक्षा दिव्य शक्तियां कर रही हैं और माना जाता है कि यहां ब्रह्मांड की एक प्राचीन शक्ति सुरक्षित है। हिमालय के छिपे हुए रास्तों के बीच स्थित इस मंदिर में इतनी अपार शक्ति है कि अगर यह गलत हाथों में पड़ गई, तो अकल्पनीय तबाही आ सकती है। ब्रह्मा की रचना से जन्मा... विष्णु के धर्म से सुरक्षित... महादेव के क्रोध से शक्ति प्राप्त..., यह दमदार लाइन नागाबंधम की आत्मा को बखूबी बयां करती है। यह एक ऐसी गाथा है जहाँ दिव्यता, नियति और विनाश का आमना-सामना होता है। डायरेक्टर अभिषेक नामा की बड़ी सोच और साफ़ विज़न इस टीज़र में साफ़ झलकती है। उन्होंने जिस तरह से माइथोलॉजी, एक्शन और आध्यात्म को बेहतरीन टेक्निकल काम के साथ जोड़ा है, वो इस फिल्म को एक अलग ही लेवल पर ले जाता है। हैरानी की बात यह है कि बिना एक भी डायलॉग के, यह टीज़र अपनी विज़ुअल पावर और शानदार कहानी कहने के अंदाज़ से दर्शकों को बांधे रखने में कामयाब रहा है। पहले ही फ्रेम से नागबंधम एक भव्य विज़ुअल एपिक होने का अहसास कराती है। सिनेमैटोग्राफर सुंदर राजन एस ने कमाल की बारीकी के साथ दिल दहला देने वाले नज़ारों को कैमरे में कैद किया है, वहीं हाई-एंड वीएफएक्स फिल्म के स्केल को और भी बड़ा बना देते हैं। विज़ुअल्स के साथ-साथ अशोक कुमार का शानदार प्रोडक्शन डिज़ाइन, जुनैद कुमार का रोंगटे खड़े कर देने वाला बैकग्राउंड स्कोर और आरसी प्रणव की जबरदस्त एडिटिंग दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में ले जाती है, जहां भक्ति युद्ध बन जाती है और आस्था गुस्से में बदल जाती है। प्रोड्यूसर्स की यह पहली फिल्म होने के बावजूद, उनका काम करने का अंदाज़ काफी मज़बूत दिख रहा है। उन्होंने डायरेक्टर अभिषेक नामा के बड़े विज़न को पूरा सपोर्ट किया है। भारी-भरकम सेट्स लगाने से लेकर वीएफएक्स और हर टेक्निकल बारीकी पर जिस तरह ध्यान दिया गया है, उससे साफ़ है कि यह फिल्म इंडियन सिनेमा के लिए एक नया बेंचमार्क सेट करने वाली है। कहानी के हीरो विराट कर्णा एक बहुत ही दमदार और बदले हुए अवतार में नज़र आ रहे हैं। टीज़र में मगरमच्छ के साथ उनकी लड़ाई के अलावा, भगवान शिव के रूप में उनकी एंट्री सबसे बड़ी हाईलाइट है। शिव जी का किरदार निभाना आसान नहीं होता, लेकिन विराट ने इसे पूरी शिद्दत से निभाया है। उनकी इंटेंसिटी और गजब का फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन इशारा करता है कि यह उनके करियर की सबसे यादगार परफॉरमेंस होने वाली है। फिल्म में नभा नतेश, ईश्वर्या मेनन, महेश मांजरेकर, जगपति बाबू, ऋषभ साहनी, गरुड़ राम, जयप्रकाश, मुरली शर्मा, अनसूया भारद्वाज और बी.एस. अविनाश जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे।

धुरंधर ने रचा इतिहास, बनी भारत की सबसे लंबी ट्रेंड करने वाली फिल्म,छावा, पुष्पा 2, जवान को छोड़ा पीछे

आदित्य धर की धुरंधर को थिएटर में रिलीज हुए दो महीने से ज्यादा हो गए हैं। रणवीर सिंह की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े हैं और यह अब तक की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म बन गई है। यह शानदार कमाई जबरदस्त वर्ड ऑफ माउथ की वजह से मुमकिन हुई, जिससे धुरंधर हर हफ्ते इंडियन बॉक्स ऑफिस पर नंबर वन फिल्म बनी रही। यह फिल्म रिलीज होने के बाद से ही ऑनलाइन टिकटिंग प्लेटफॉर्म बुकमायशो पर ट्रेंड कर रही है। असल में यह अब प्लेटफॉर्म पर सबसे लंबे समय तक ट्रेंड करने वाली इंडियन फिल्म है। सैकनिल्क के मुताबिक, फरवरी के बीच तक धुरंधर बुकमायशो पर 59 दिनों तक ट्रेंड कर रही थी, जिसने 2025 की शुरुआत में विक्की कौशल की फिल्म छावा के 58 दिनों के ऑल-टाइम रिकॉर्ड को पार कर लिया। दोनों फिल्में काफी हद तक वर्ड ऑफ माउथ पर निर्भर थीं और दूसरे और तीसरे हफ्ते में बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए, जिससे टॉप भारतीय फिल्मों की तुलना में थिएटर में ज्यादा समय तक टिकीं। स्त्री 2 वर्ड ऑफ माउथ से चलने वाली एक और ब्लॉकबस्टर है, जो 57 दिनों के साथ तीसरे स्थान पर है। बुकमायशो के मुताबिक, ज्यादातर फिल्मों की टिकट बिक्री का आधा हिस्सा प्लेटफॉर्म पर होता है। प्लेटफॉर्म पर सबसे लंबे समय तक ट्रेंड करने वाली टॉप दस फिल्मों की लिस्ट में हाल की बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर और मलयालम की हिट फिल्में भी शामिल हैं। आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी धुरंधर एक स्पाई थ्रिलर है, जिसमें रणवीर सिंह लीड रोल में हैं। साथ ही इसमें अक्षय खन्ना, आर माधवन, अर्जुन रामपाल और संजय दत्त भी हैं। फिल्म को ज्यादातर पॉजिटिव रिव्यू मिले और यह बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही

एक्ट्रेस मुक्ति मोहन का नया मंत्रः लोगों से अप्रूवल लेने की जरूरत नहीं, बस जिंदगी जियो

शॉर्ट फिल्म ब्लड ब्रदर्स से अभिनय की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री मुक्ति मोहन सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदगी से फैंस के दिलों में खास पहचान रखती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वे एक वॉइस ओवर के साथ लिपसिंक करती दिख रही हैं, एक ही तो जिंदगी मिली है। इसमें लोगों को अच्छा बनने का कोई अप्रूवल नहीं दिखा सकती हूं। अच्छा इंसान बनने में कुछ नहीं रखा है। वीडियो में उनका अंदाज बिल्कुल सच्चा और बेबाक है। वे कैमरे की तरफ देखकर सीधे दिल की बात कह रही हैं। बता दें कि यह वॉइस ओवर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। मुक्ति और कई अन्य कलाकार और सोशल मीडिया यूजर्स इस पर वीडियो बनाकर ट्रेंड का हिस्सा बन रहे हैं। मुक्ति अक्सर अपनी बहनों के साथ डांस के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। फैंस को अभिनेत्री का ये वीडियो काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। मुक्ति मोहन की बात करें तो वे डांसर होने के साथ-साथ वेब सीरीज व टीवी शोज में अभिनय भी करती हैं। उन्होंने साहिब बीवी और गैंगस्टर, हेट स्टोरी, और कांची: द अनब्रेकेबल जैसे कई प्रोजेक्ट्स पर काम किया है। उन्होंने करियर की शुरुआत में 2007 में शॉर्ट फिल्म ब्लड ब्रदर्स से अभिनय की शुरुआत की और जरा नचके दिखा (2010) जीतकर रियलिटी शो में पहचान बनाई और झलक दिखला जा सीजन 6 (2013) में भी भाग लिया। मुक्ति मोहन बड़े पर्दे पर भी अपनी काबिलियत का परचम फहरा चुकी हैं। उन्होंने अब तक साहेब बीवी और गैंगस्टर, मुरान, दारुवु, हेट स्टोरी, टोपीवाला, कांची: द अनब्रेकेबल, बॉर्न फ्री, दिल है हिंदुस्तानी: द मूवी, और थार आदि फिल्मों में अदाकारी की है। मुक्ति मोहन कोरियोग्राफर शक्ति मोहन और गायिका नीति मोहन की बहन हैं।

दूसरे दिन शाहिद कपूर की फिल्म ओ रोमियो का बॉक्स ऑफिस पर कमाल, इन फिल्मों को छोड़ा पीछे

विशाल भारद्वाज की फिल्म ओ रोमियो 13 फरवरी को रिलीज हुई. फिल्म में शाहिद कपूर लीड रोल में हैं. वहीं तृप्ति डिमरी फीमेल लीड रोल में हैं. इस फिल्म को फैंस और क्रिटिक्स से शानदार रिव्यूज मिले. दूसरे दिन भी फिल्म की कमाई में ग्रोथ दिखी. फिल्म ने 10 करोड़ से ज्यादा की कमाई की. आइए जानते हैं ओ रोमियो का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने दूसरे दिन यानी शनिवार को 12.25 करोड़ की कमाई की. फिल्म के दूसरे दिन के कलेक्शन के ऑफिशियल आंकड़े आने अभी बाकी हैं. पर अगर फिल्म ने दूसरे दिन 12.25 करोड़ का कलेक्शन किया है तो फिल्म का टोटल कलेक्शन 20.75 करोड़ हो गया है. ओ रोमियो ने पहले दिन 8.50 करोड़ का बिजनेस किया था. फिल्म को दूसरे दिन मॉर्निंग शोज में 10.24 परसेंट, दोपहर के शोज में 22.13 परसेंट, शाम के शोज में 26.79 परसेंट और रात के शोज में 33.87 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली. दूसरे दिन अच्छी कमाई के बावजूद फिल्म अपनी बड़ी हिट कबीर सिंह का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाई है. कबीर सिंह ने रिलीज के दो दिन में 22.71 करोड़ का कलेक्शन किया था. ओ रोमियो ने इसी के साथ 2026 में रिलीज़ हुई फिल्म हैप्पी पटेल, राहु केतू, वध 2, भाबीजी घर पर हैं, तू या मैं जैसी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है. हैप्पी पटेल ने लाइफ टाइम 6.2 करोड़ का कलेक्शन किया था. वहीं राहु केतू ने 6.37 करोड़, भाबीजी घर पर हैं ने 1.37 करोड़, तू या मैं ने दो दिन में 2 करोड़ का कलेक्शन किया. ओ रोमियो की बात करें तो फिल्म में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी के अलावा विक्रांत मैसी, तमन्ना भाटिया, अविनाश तिवारी, दिशा पाटनी, फरीदा जलाल और नाना पाटेकर जैसे स्टार्स हैं. फिल्म की कहानी काफी इमोशनल है. शाहिद कपूर को जबरदस्त एक्शन करते हुए भी देखा जाएगा. सनी देओल की बॉर्डर 2 की बात करें तो फिल्म ने शनिवार को 1.90 करोड़ का कलेक्शन किया है. फिल्म का टोटल कलेक्शन 320.45 करोड़ हो गया है. इस फिल्म को अनुराग सिंह ने डायरेक्ट किया है. फिल्म में सनी देओल के अलावा वरुण धवन, अहान शेट्टी, दिलजीत दोसांझ जैसे स्टार्स लीड रोल में हैं. वहीं फिल्म में रानी मुखर्जी लीड रोल में हैं. मर्दानी 3 ने शनिवार को 1.65 करोड़ का कलेक्शन किया. मर्दानी 3 का टोटल कलेक्शन 43.15 करोड़ हो गया है.

एकता कपूर-इम्तियाज अली फिर आए साथ, लैला मजनू के सीक्वल हीर रांझा का किया ऐलान

लैला मजनू के निर्माता फिर साथ आ रहे हैं। एकता कपूर और इम्तियाज अली ने अपनी नई फिल्म हीर रांझा का ऐलान कर दिया है। ये उनकी साल 2018 की हिट फिल्म लैला मजनू का ही अगला भाग है, जिसके निर्देशन की कमान एक बार फिर साजिद अली संभालने वाले हैं। ये फिल्म मोहब्बत की सदियों पुरानी और अमर कहानी को आज के दर्शकों के लिए एक नए और गहरे अंदाज में पेश करेगी। एकता का मानना है कि इम्तियाज और साजिद अली के पास प्यार को गहराई और ईमानदारी से दिखाने का हुनर है। उन्होंने कहा कि जिस तरह लैला मजनू समय के साथ एक कल्ट क्लासिक बनी, वैसी ही उम्मीद हीर रांझा से भी है। उधर इम्तियाज अली के मुताबिक, हीर रांझा की अपनी एक अलग दुनिया और लय है। ये फिल्म आज की पीढ़ी की प्यार की भाषा में बात करेगी, लेकिन इसकी जड़ें शाश्वत और अमर प्रेम में होंगी। साल 2018 में रिलीज हुई लैला मजनू रिलीज के वक्त तो ज्यादा तवज्जो नहीं मिली, लेकिन समय के साथ इसने कल्ट क्लासिक का दर्जा हासिल कर लिया। फिल्म की कहानी इम्तियाज अली ने लिखी थी और इसका निर्देशन उनके भाई साजिद अली ने किया था। यह लैला और मजनू की सदियों पुरानी लोक-कथा का एक आधुनिक चित्रण है, जिसे कश्मीर की खूबसूरत और दर्दभरी वादियों में फिल्माया गया है। तृप्ति डिमरी और अविनाश तिवारी ने इसमें मुख्य भूमिका निभाई थी।

स्ट्राइप ड्रेस में निमरत कौर का स्टाइलिश लुक

अभिनेत्री निमरत कौर ने अपना लेटेस्ट लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया हैं। इस नए लुक में निमरत कौर स्ट्राइप वन पी ड्रेरस में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। निमरत कौर ने सिजलिंग लुक में कई शानदार पोज दिए। निमरत का यह लुक उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा हैं। इस लुक के साथ निमरत ने कैप्शन में लिखा स्ट्राइप पोज। निमरत कौर (जन्म 13 मार्च 1982) एक प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री हैं, जो विशेष रूप से द लंचबॉक्स और एयरलिफ्ट जैसी फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने प्रिंट मॉडल के रूप में करियर शुरू किया और फिर थिएटर के माध्यम से बॉलीवुड में पहचान बनाई। हाल ही में, वह अभिषेक बच्चन के साथ डेटिंग की अफवाहों के कारण सुर्खियों में थीं, जिन्हें खारिज किया गया है।

Piyush Mishra and Pankaj Tripathi bring wit and wisdom to DU Lit Fest

New Delhi, Agency: Even as book stalls lined the University Stadium at North Campus last week, students thronged the hall to cheer and wave at Piyush Mishra and Pankaj Tripathi, overwhelming security on two separate days at the inaugural Delhi University Literature Festival. Sharing memories of their college days and engaging the crowd with trademark humour, the National School of Drama alumni emerged as highlights of the fest's first two days.

'Jab bhi mauka lagta hai Dilli zaroor aata hun'

In conversation with Anoop Lather, in a session titled after his song Ek Bagal Mein Chaand Hoga, Mishra spoke about his struggling years as an actor and his bond with Delhi on Day 1 of the fest. "Dilli se mera rishta kuch

aur hai. Dilli meri mehbooba hai, aur Mumbai se meri shaadi ho gayi hai. Jab bhi mauka lagta hai Dilli zaroor aata hoon."

Sharing his affection for Gen Z, he said, "Main Gen Z se bahut pyaar karta hoon. Gen Z se koi parhez nahi hai. Bade achche log ho tum, bas thodi jaldbaazi kar jaate ho woh alag baat hai." With his signature tongue-in-cheek humour, he added, "Main perform youth ke liye karta hoon, lekin ek bada aarop hai tumhare upar. Hamare zamane mein mohalle mein ek phenomenon hua karta tha - pita hua aashiq. Woh tumhari generation ne gayab kar diya. Romance ka ek ajeeb-o-gareeb tareeka nikaal liya hai. Tumhare breakups hote hain, dil nahi toot'te. Tum logon ne lutf khatam kar diya hai. Prem ke bina zindagi kuch bhi nahi hai."

'NSD ne mujhe sab kuch diya hai'The actor, who spent 20 years in Delhi's theatre circuit before moving to Mumbai to pursue films, shared that he still enjoys visiting the campus. "NSD ne mujhe sab kuch diya hai." He added that his home in Mumbai is always open to struggling artistes. "Jo log struggle karte huye akela mehsoos karte hain, unke liye ek parivaar hai Mumbai mein. Mujhe koi parivaar nahi mila apne time mein, lekin main woh sahara banna chahta hun.

Gunshot fired outside house in Delhi's Adarsh Nagar; accused on the run

New Delhi, Agency: A firing incident was reported in northwest Delhi's Adarsh Nagar on Tuesday.

According to the police, a PCR call was received at Adarsh Nagar police station around 10.05 pm regarding gunshots fired outside a residence in the area. The complainant, a 42-year-old woman, alleged that a man identified as Bedu (22), who allegedly had a prior dispute with her son, arrived outside their house around 9.45 pm and fired one round in the air before fleeing the spot. Based on her statement, an FIR under Section 125 (act endangering life or personal safety of others) of the Bharatiya Nyaya Sanhita was registered at Adarsh Nagar police station.

Police said the accused is found to previously have been involved in an attempt to murder case registered at Model Town police station in 2022. Originally a resident of Ashok Vihar, he is currently believed to be staying in a rented accommodation in Burari. Police teams are conducting raids to apprehend him.

Police added that the complainant's son is also involved in a theft case registered in 2024 at the same police station.

Only awareness and enforcement can put end to underage driving: Experts

New Delhi, Agency: Underage driving poses a serious threat on Delhi roads. Last year, traffic police challaned 125 minors for the offence. In 2024, the figure was over 350. This year, till Feb 15, nine minors were challaned, compared to five during the same period last year. Many of them are fascinated by driving, police say, and often slip away with the keys to their parents' cars or two-wheeler. When the authorities interact with these parents following an accident, most claim they were in the dark and assure police they will take steps to ensure it does not happen again.

Apart from registering a case against such a minor for underage driving, action is also taken against the owner of the vehicle under section 199A of Motor Vehicles Act, which holds guardians or owners of vehicles liable when a minor commits a traffic offence.

Last Oct, a 16-year-old girl was apprehended after the car she was driving fatally hit a 64-year-old man who was crossing a road in Shahbad Dairy. Later, a case was filed against

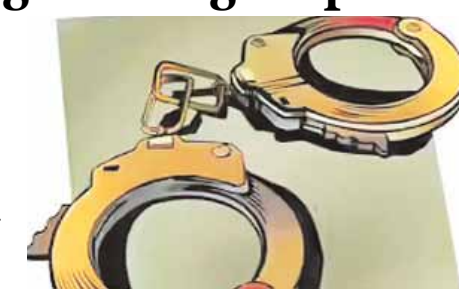

the girl's mother. A 32-year-old factory worker died after a car driven by a minor dragged him for nearly 600 metres in northwest Delhi's Samaypur Badli last Aug. The minor was apprehended and a case was filed against his sister for allowing him to take the wheel.

There has been a sharp rise in the number of challans issued for allowing unauthorised people to drive. In 2024, over 1.6 lakh such cases were recorded in Delhi, which jumped to more than 2.6 lakh the next year. A senior police officer said this is the result of owners handing over their cars or two-wheelers to people without valid licences, either out of trust or for convenience.

Heart & soul of Delhi's 'model' town: A colony built around 6.5-acre lake

New Delhi, Agency: Not every colony in Delhi has a private lake, but Model Town does, its residents proudly point out. Developed by DLF Group in the early 1950s, the north Delhi colony became known for its luxurious bungalows and villas, recalls 82-year-old Dharmendra Pratap, a retired bank employee. "When I moved here in 1960, there were only a few houses. Although it has grown beautifully over time with multi-storey residences, markets and modern amenities, Naini Lake has remained its soul."

For generations, the 6.5-acre lake is more than a recreational space; it is a repository of childhood memories. Tucked amid busy lanes, it offers residents a chance to boat on its glimmering waters or take leisurely strolls along its banks. Developed in the early 1960s, the waterbody is a focal point for community gatherings, picnics and recreation.

Juhi Chaudhary, a resident

involved in Save Naini Lake campaign, recalls her father used to take her paddle-boating before school. "A quiet morning on the water was my little reward. The lake was clean and blooming with lotuses. During his college days, my father used to play cricket on its dry bed in summer."

Many echoed her sentiment. "No matter how much the colony develops, as long as the lake remains, Model Town will always feel like home," says another resident.

Today, as its condition deteriorates and the number of migratory birds visiting it decline, residents hope it will be revived and protected for future generations. "If govt doesn't take serious action, the lake may die in the coming years," says Sanjay Gupta, president of Model Town Residents Welfare Association. The lake may be its soul and identity, but Model Town - one of Delhi's oldest planned residential colonies - has other positives too, like accessibility, Gupta says. "It has fantastic metro connectivity and was among the first colonies in Delhi to receive extensive coverage with two stations and direct connectivity to ISBT, Gurgaon and south Delhi," he adds.

Model Town boasts several senior secondary schools, three private hospitals and sporting facilities like Chhatrasal Stadium, developed during the 2010 Commonwealth Games, along with markets that have grown steadily over the years. Its street food is popular too, with people queuing up for chholebhature at its long-running eateries. The residents say while the colony is well-connected and vibrant, concerns remain over its ageing civic infrastructure and safety, with snatchings, car thefts and burglaries reported frequently. Moreover, conversion of single-storey houses into four-floor structures have impacted drainage systems, leading to frequent overflow, they say, calling for a robust sewer system.

Delhi's Vasant Vihar: A name that still carries an emotional weight

New Delhi, Agency: In the mid-1950s, as independent India's bureaucracy expanded, central govt employees began forming cooperative housing societies in Delhi, planning communities for post-retirement years. Vasant Vihar was one of them.

Located near Chanakyapuri, the colony took shape in the 1970s. Suresh moved in as a 20-year-old young man with his father, who was then working in the defence ministry. "There were only singlestorey houses then - some 250 gaj, some 2,000 gaj. Beautiful parks. It was a completely different world," he recalls. "Even now, when I say I live in Vasant Vihar, people instantly light up." The colony's character had been shaped by its residents - many retired or nearing retirement. They forged a slow lifestyle and strong social bond. The neighbourhood functioned like an extended family - festivals were celebrated together, community functions were common and gardening competitions were big events.

Over time, this social cohesion changed. As younger generations entered demanding careers, community participation reduced. "We got tied up with work,

so we weren't as socially involved," says a second-generation resident. For the elderly, the core spirit hasn't disappeared. "For me, it's still the same. There's no place in Delhi like this," says another local.

Because of the colony's proximity to the diplomatic enclave, many houses belonging to officers posted outside Delhi were rented out - often to embassies and foreign mission staff - giving the area an early cosmopolitan character. The planning was ahead of its time.

Plot sizes varied widely, blocks were designed with nearby schools, and water distribution was planned at a city level. Originally, construction rules required roughly 50% open space and 50% built-up area. Over time, the latter expanded significantly, changing the colony's character.

The green cover, one of the colony's biggest strengths, bloomed through planting drives led by locals, notes Vivek Tandon, whose father was an original allottee. A census counted nearly 15,000 trees, while large parks acted as shared breathing spaces.

Vasant Vihar's civic infrastructure, however, is under growing pressure. Built near the Ridge, the area has limited room for expansion. Rising population density has strained roads and sewage systems have aged. Markets designed for smaller populations now handle far higher footfall. Encroachment and parking pressure have added to the civic strain. Safety remains a relative strength. While residents acknowledge no area can claim to be crime-free, most say the colony remains safer than most other areas. Accessibility is another plus point. Educational institutions draw younger families, helping maintain generational continuity, while institutions like Vasant Vihar Club continue to act as social bridges.

'Give Real-Time Info On Hospital Beds'

New Delhi, Agency: Delhi High Court has emphasised that integrating hospitals through digital platforms can significantly improve patient care and ensure faster treatment, especially during emergencies. It has directed authorities to make real-time information on bed availability and medical facilities across the city accessible to the public.

In a recent order, a special bench of Justices Prathiba M Singh and Manmeet PS Arora noted that the govt's NextGen e-Hospital platform has the potential to enable seamless sharing of patient data and treatment records across hospitals, aiding better diagnosis and continuity of care. The court also called for the rollout of a mobile application based on the system.

The bench asked the Delhi health secretary to ensure mandatory implementation of the NextGen e-Hospital platform for admissions, inpatient and outpatient services, and discharge processes across 38 enrolled hospitals. It further directed that all these govt hospitals fully utilise the platform and that efforts be made to

bring private hospitals on board as well. The court was hearing matters taken up on its own motion regarding the strengthening of health infrastructure and access to emergency services in govt-run hospitals. During the hearing, the National Informatics Centre (NIC) made a presentation on the Hospital Management Information System (HMIS) and the progress in implementing digital modules across govt hospitals through the e-Hospital platform.

"There can be no doubt that integrating hospitals and sharing data can greatly aid quick and effective treatment, especially when patients move from one hospital to another without all records.

DDA to discontinue parking charges in housing scheme flat prices

New Delhi, Agency: Delhi Development Authority (DDA) has decided to discontinue the levy of parking charges, including covered parking, in the total cost of flats offered under its ongoing housing schemes in a relief to homebuyers.

The move is expected to bring down flat prices by Rs 5 lakh to Rs 12 lakh. The immediate reduction will be seen in the MIG and HIG flats under four schemes: DDA Karmayogi Awas Yojana 2025 (FCFS), DDA Towering Heights Karkardooma Housing Scheme 2025 (E-Auction), DDA Nagrik Awas Yojana 2026 (FCFS) and DDA Towering Heights Karkardooma Housing Scheme 2026 (FCFS).

According to the authority's order, the cost of constructing

parking facilities will now be subsumed within the overall expenditure incurred for developing housing pockets while calculating the plinth area rate (PAR) of flats. "No separate or additional charges on account of car or scooter garages or covered or uncovered parking will be added to the total cost," the order said. Officials clarified that buyers who had already purchased flats under these schemes and paid parking charges will either be reimbursed or have the amount adjusted against future instalments. "Buyers are given a stipulated time to pay the flat cost in instalments. The instalment amount will be reduced accordingly," an official said.

For instance, HIG flats under the Karmayogi Awas Yojana with an 11-sq-metre parking space will see a price reduction of around Rs 10 lakh, while MIG flats under the same scheme are expected to become cheaper by Rs 4 lakh to Rs 5 lakh. The reduction will be higher for flats in the Towering Heights Karkardooma Housing Scheme, where parking spaces are larger.

The plinth area of a flat is calculated on the basis of the total covered built-up area at floor level. It includes the carpet area, common utilities such as community halls and courtyards, pump houses, and the thickness of internal and external walls, among other components.

Under the transit-oriented development (TOD) scheme, DDA offered 1,026 two-bedroom flats in the Towering Heights Karkardooma Housing Scheme, priced between Rs 1.78 crore and Rs 3.09 crore, depending on the plinth area. The e-auction saw a subdued response, with market observers attributing it largely to high reserve prices. With the flats now being offered on a first-come, first-served basis and prices effectively reduced, the authority expects improved buyer interest and a stronger sales momentum. With this decision, the revised methodology adopted in Dec 2025 for calculating disposal prices will no longer apply. The earlier formula included adding the cost of constructing car or scooter garages (plinth area of garage × 60% of PAR, adjusted for depreciation) and parking spaces (plinth area of parking × PAR of parking, adjusted for depreciation) to the total flat cost. The new circular will not affect DDA's policy on the disposal pricing of standalone garages or parking spaces left unallotted after completion of a scheme. It also does not alter the authority's guidelines for the disposal of EWS flats constructed by private developers.